सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 346, नई दिल्ली । शनिवार, 22 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दिल्ली की भाजपा सरकार राजधानी का करेगी पूर्ण विकास

06 क्रैकिंग सीयुईटी: स्मार्ट तैयारी के लिए एक चरण-दर-चरण

08 दुर्घटना के बाद पिकअप चालक साइकिल सवार की कटे हात ले कर भाग गया

दिल्ली मेट्रो यात्रियों को डीएमआरसी का तोहफा

मेट्रो में यात्रियों को जल्द मिलेगी 5जी इंटरनेट की सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) ने दिल्ली मेट्रो के सभी कॉरिडोर पर ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाने का फैसला किया है। इससे मेट्रो में यात्रियों को हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। सबसे पहले मजेंटा लाइन (बोटेनिकल गार्डन-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन) और पिंक लाइन (शिव विहार-मजलिस पार्क) कारिडोर पर यह सुविधा शुरू की जाएगी। इसके बाद अन्य सभी कॉरिडोर पर चरणबद्ध तरीके से छह महीने में यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

नई दिल्ली। डीएमआरसी (डीएमआरसी) एनसीआर में दिल्ली मेट्रो के सभी कॉरिडोर के साथ आप्टिक फाइबर केबल बिछाएगा। इससे मेट्रो में यात्रियों को हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मिल सकेगी। लिहाजा, मेट्रो में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या नहीं होगी।

सबसे पहले मजेंटा लाइन (बोटेनिकल गार्डन-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन) व पिंक लाइन (शिव विहार-मजलिस पार्क) कारिडोर पर यह सुविधा की जाएगी। DMRC का कहना है कि मजेंटा व पिंक लाइन के बाद अन्य सभी कॉरिडोर पर चरणबद्ध तरीके से छह माह में यह काम पूरा किया जाएगा।

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक (जनसंपर्क) अनुज दयाल का कहना है कि इस कार्य के लिए डीएमआरसी ने बेकहाल डिजिटल टेक्नोलाजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता। यह कंपनी आप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाने और उसके रखरखाव का काम करेगी।

मेट्रो के पूरे नेटवर्क पर यात्रियों को मिलेगी 5जी नेटवर्क की सुविधा

हाई स्पीड इंटरनेट के नेटवर्क के लिए ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क होना जरूरी होता है। इससे दिल्ली सहित एनसीआर में मेट्रो के पूरे नेटवर्क पर यात्रियों को 5जी नेटवर्क की सुविधा मिल सकेगी। यह पहल केंद्र सरकार के डिजिटल कनेक्ट राष्ट्र के दृष्टिकोण को सपोर्ट करने वाली है।

इससे दूरसंचार कंपनियों को तेज व विश्वसनीय इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और दिल्ली को बेहतर तरीके से कनेक्ट रहने में मदद करेगी। दिल्ली सहित एनसीआर में मेट्रो का नेटवर्क करीब 393 किलोमीटर है। भूमिगत कॉरिडोर के हिस्से में इंटरनेट कनेक्शन की समस्या अधिक आती है। ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाए जाने के बाद यह समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

उत्तर प्रदेश बजट : एनसीआर में परिवहन व उद्योग पर जोर

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश के बजट में एनसीआर के चार जिलों गाजियाबाद नोएडा बुलंदशहर और हापुड़ के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। इनमें से सबसे अहम है सड़कों का निर्माण है। गाजियाबाद में नार्दर्न पेरिफेरल रोड (एनपीआर) और बुलंदशहर में रिंग रोड बनेगा। इसके अलावा नोएडा में आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गई हैं।

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार के बजट में शामिल घोषणाओं से एनसीआर के चार जिलों गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, हापुड़ में विकास के पहिये को गति मिलेगी। खासकर सड़कों के निर्माण से उद्योगों की राह आसान होगी।

गाजियाबाद, बुलंदशहर में रिंग रोड, हापुड़ को गंगा एक्सप्रेस-वे के विस्तार का लाभ मिलेगा, जबकि गौतमबुद्ध नगर में आईटी के क्षेत्र में घोषणाओं से उद्योगों के बढ़ने की संभावना है। प्रदेश सरकार ने 1,200 करोड़ के बजट से रिंग रोड व सड़कों के लिए घोषणा की है।

शिकारपुर से अनूपशहर को जोड़ने की तैयारी

इसके तहत गाजियाबाद में नॉर्दर्न पेरिफेरल रोड (एनपीआर) का निर्माण होगा। गाजियाबाद से लोनी को सीधे जोड़ने के लिए 20 किमी लंबी नार्दर्न पेरिफेरल रोड बनाई जा रही है। इसका सीधा लाभ उद्योग जगत को मिलेगा। इसी तरह से बुलंदशहर में भी 400 करोड़ से रिंग रोड का निर्माण शुरू हो सकेगा। इसके पहले चरण में शिकारपुर से अनूपशहर को जोड़ने की तैयारी है।

डाटा सेंटर में निवेश की गति हो सकती है और तेज

वहीं डाटा सेंटर, लाजिस्टिक पार्क, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब के रूप में विकसित करने को 'एआइ सिटी व साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलाजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क की स्थापना को बजट में शामिल किया गया है। गौतमबुद्ध नगर डाटा सेंटर क्षेत्र में निवेश के लिए निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। आठ नए डाटा सेंटर की प्रदेश सरकार की घोषणा से गौतमबुद्ध नगर में डाटा सेंटर में निवेश की गति और तेज हो सकती है।

टप्पल में प्रस्तावित मल्टीमाडल लाजिस्टिक पार्क, ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित मल्टीमाडल लाजिस्टिक पार्क के लिए सड़क समेत आधारभूत ढांचे के काम को गति मिलेगी। इन पार्कों की स्थापना से निवेश के साथ लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजन जुड़ा हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब व साइबर टेक्नोलाजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क की स्थापना की घोषणा से गौतमबुद्ध नगर में निवेश के लिए एक नया क्षेत्र खुल गया है।

परिवहन विभाग सख्त: यात्री वाहनों का पंजीकरण कराने वाले बाहरी लोगों का होगा वेरिफिकेशन, ऐसे होगा रजिस्ट्रेशन

परिवहन विशेष न्यूज

यात्री वाहनों का पंजीकरण कराने वाले बाहरी लोगों का अब पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है। अब तक केवल मकान मालिक से पता का किरायानामा बनवाकर वाहनों का पंजीकरण कराने वालों के लिए यह निर्देश जारी हो चुका है।

नैनीताल। यात्री वाहनों का पंजीकरण कराने वाले बाहरी लोगों का अब पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है। अब तक केवल मकान मालिक से पता का किरायानामा बनवाकर वाहनों का पंजीकरण कराने वालों के लिए यह निर्देश जारी हो चुका है। फिलहाल इसे यात्री व बड़े वाहनों के लिए आवश्यक किया गया है। जनपद में डंपर के अलावा टैक्सी में हर माह में अच्छी खासी संख्या में वाहनों का पंजीकरण हो रहा है। पहले नियम लचर था तो आसानी से बाहरी लोग भी अपने वाहनों का पंजीकरण कराकर व्यवसाय करते थे। यह पता नहीं चल पाता था कि पंजीकृत वाहन किरायेदारी का सत्यापन पहले कराया या नहीं, रिपोर्ट लगते ही पता चल जाएगा

नियम यह है कि मकान देने से पहले किरायेदार का सत्यापन पुलिस विभाग से जरूर करा लिया जाए। आमतौर पर ऐसा होता नहीं है। किराये के लालच में मकान दे दिया जा रहा है। यदि किरायेदार को कोई यात्री वाहन लेना है और उसने किरायानामा लगा दिया तो यह भी पता चल जाएगा कि मकान मालिक ने सत्यापन कराया है या नहीं। यानी जब वाहन लेने का इच्छुक जब अपने थाने से सत्यापन रिपोर्ट देगा तो स्थिति साफ होगी कि उसका सत्यापन पहले नहीं हुआ है।

यात्री वाहनों का पंजीकरण यदि उत्तराखंड से बाहर के लोग कराते हैं तो उन्हें किरायानामा के साथ ही पुलिस वेरिफिकेशन की रिपोर्ट भी देनी होगी। इसमें स्पष्ट होना चाहिए उनके खिलाफ थाने या जिले में कोई मुकदमा तो नहीं है। यदि किरायेनामा के साथ ही रिपोर्ट है, तो यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि मकान मालिक ने पहले ही सत्यापन कराया है।

- बीके सिंह एआरटीओ

महाशिवरात्रि के लिए रिजर्व रखी गईं 1200 अतिरिक्त बसें

महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के लिए यूपी रोडवेज ने 1200 अतिरिक्त बसों को रिजर्व में रखा है। वहीं, जिले से पूरे हफ्ते प्रदेश भर में बसों का संचालन किया जाएगा।

प्रयागराज। प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के मुताबिक महाशिवरात्रि स्नान व 21 से 28 फरवरी के लिए 1200 बसें रिजर्व में रखी गई है। ताकि प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इसके अलावा संगम क्षेत्र में 750 शटल बसें भी चल रही हैं। उन्होंने बताया कि यूपी रोडवेज के सहारनपुर, मेरठ, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, अलीगढ़ परिक्षेत्र से यात्रियों की संख्या के अनुमान के दृष्टिगत प्रयागराज के लिए 25 बसों का प्रस्थान प्रतिदिन सुनिश्चित किया जा रहा है।

पूर्वांचल से आने वाली अतिरिक्त भीड़ के लिए भी विशेष प्रबंध किया जा रहा है। कहा कि प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, चित्रकूट, अयोध्या एवं देवीपाटन क्षेत्र द्वारा मेला संचालन से इतर संचालित बसों को अधिकतम 300 किमी तक में ही संचालित किया जाएगा। ताकि उन्हें वापस प्रयागराज भेजा जा सके।

बंगाल शूटिंग चौक, फरीदाबाद: रोजाना लगने वाले भीषण जाम से स्थानीय निवासियों की परेशानी चरम पर

फरीदाबाद का बंगाल शूटिंग चौक लगातार ट्रैफिक जाम का केंद्र बनता जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह चौराहा मथुरा रोड से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है और मुंबई एक्सप्रेसवे से गुजरने वाले वाहनों की अधिकता के कारण यहां प्रतिदिन 15-20 मिनट तक जाम लगना आम हो गया है।

स्थानीय निवासियों और सड़क सुरक्षा सदस्यों की ओर से डीसीपी ट्रैफिक को लगातार अपील की जा रही है कि इस समस्या का कोई स्थायी समाधान निकाला जाए। यह चौक शेरशाह सूरी रोड के बीच स्थित है और सेंट्रिंगफील्ड, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, सेक्टर 30, 31, डीएलएफ और पुलिस लाइन को जोड़ता है। इस क्षेत्र में बढ़ते यातायात के दबाव के कारण न केवल स्थानीय लोग सड़क पार करने में असमर्थ हो जाते हैं, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है।

समय-समय पर यातायात पुलिस द्वारा निरीक्षण किया जाता है, लेकिन अब समय आ गया है कि स्थानीय प्रशासन कोई ठोस कदम उठाए। चुनाव नजदीक हैं और 2 मार्च को फरीदाबाद में मतदान होना है, ऐसे में यह स्थानीय निवासियों की प्रमुख मांग बन चुकी है कि इस समस्या का समाधान शीघ्र किया जाए।

स्थानीय निवासियों की प्रमुख मांगें:

ट्रैफिक डायवर्जन प्लान बनाया जाए ताकि भारी वाहन किसी अन्य वैकल्पिक मार्ग से भेजे जा सकें।

ट्रैफिक सिग्नल और बैरिकेडिंग का सही प्रबंधन किया जाए।

ट्रैफिक पुलिस की स्थायी तैनाती सुनिश्चित की जाए।

सरकार और नगर प्रशासन इस समस्या पर त्वरित निर्णय लें।

स्थानीय निवासी, सड़क सुरक्षा संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता प्रशासन से यह अपील करते हैं कि इस गंभीर समस्या का समाधान जल्द से जल्द निकाला जाए, जिससे फरीदाबाद के नागरिकों को राहत मिल सके और भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।

- अंकुर शरण

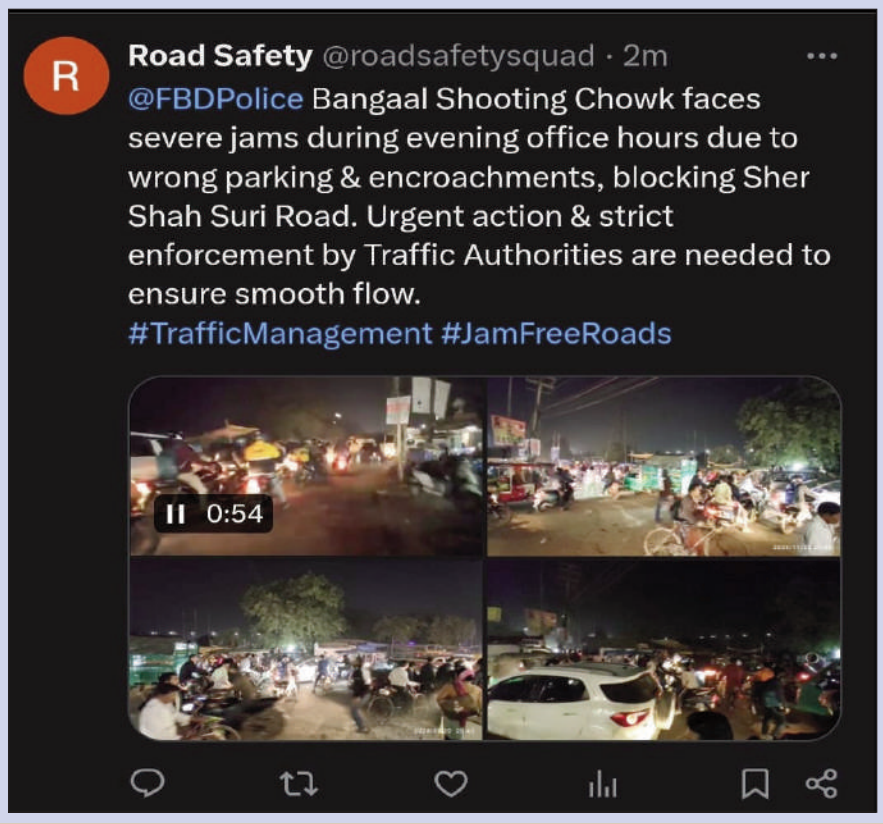

शतभिषा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव,कैरियर,रोग और उपाय

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक (इंजी.)

हमारे नक्षत्र मंडल में सौ तारों का एक समूह जिसमे एक तारा काफी चमकदार और बहुत बड़ा है तथा अन्य छोटे तारे उसे घेरे हुए हैं यहीं शतभिषा नक्षत्र है। शतभिषा का अर्थ है "सौ चिकित्सक" या "सौ तारों का एक समूह"। इसका प्रतीक चिन्ह वृत्त को माना है। शतभिषा नक्षत्र के नक्षत्र स्वामी ग्रह राहु तथा अधिपति देवता वरुण को माना गया है।

स्वभाव: शतभिषा नक्षत्र में जन्मा जातक एकांतप्रिय, अंतर्मुखी थोड़ा सनकी ,गुप्त रहस्यों को सुलझाने में माहिर,हंसमुख,उदार, आशावादी,मिलनसार, तथ्यपरक तथा आध्यात्मिक होता है।आचार्य वराहमिहिर के अनुसार इस नक्षत्र के जन्मे लोग सत्यनिष्ठ, कटुभाषी,तथा शत्रुहंता होता है।

कैरियर: शतभिषा नक्षत्र में जन्मा जातक योग गुरु, अंतरिक्ष वैज्ञानिक, ज्योतिषी, इलेक्ट्रीशियन, खोजी, शिकारी, जड़ी बूटी विशेषज्ञ, भौतिक वैज्ञानिक,परमाणु अनुसंधान करने वाला, विज्ञान लेखक, मादक पदार्थों का व्यापारी, प्रशिक्षक, प्लास्टिक उद्योग,शल्य चिकित्सक आदि में अपना कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त कर सकता है।

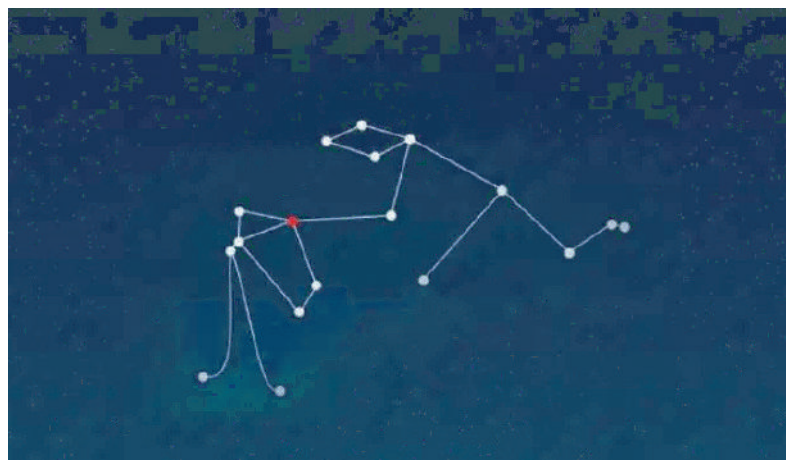

रोग: शतभिषा नक्षत्र ने जन्मे जातक को ज्वर, सन्निपात, हृदय संबंधित रोग, अनिद्रा, गठिया वात तथा पैरो में टेढापन आदि रोगों से जूझना पड़ सकता है।

उपाय: शतभिषा नक्षत्र के जातक को ॐ लं बीज मंत्र का जाप प्रत्येक चतुर्दशी के दिन करना चाहिए तथा भगवान शिव की पूजा करने से इन्हे जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति प्राप्त होती है। नीला,हल्का गाढ़ा रंग शतभिषा नक्षत्र के लोगो के लिए भाग्यशाली होता हैं।

गुर्दे की पथरी

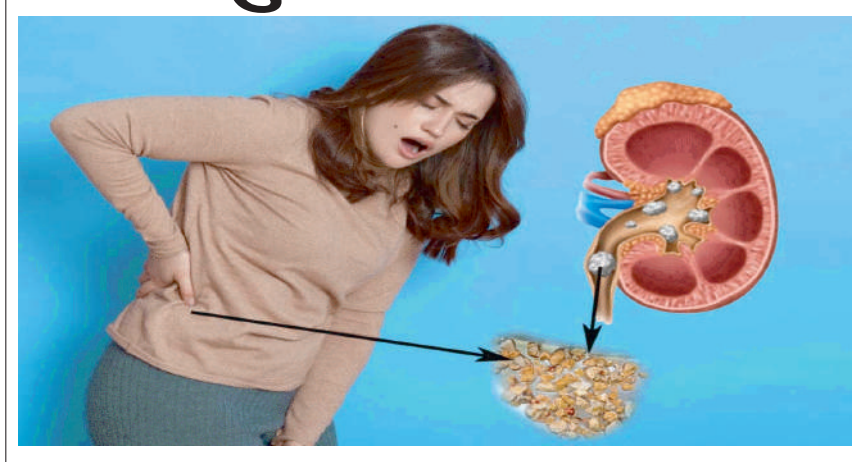

शरीर का शोधन समय-समय पर न करने, कुपथ्य और कफवर्धक आहार का सेवन करने, मूत्र के वेगों को रोकने से गुर्दे में पथरी उत्पन्न होती है। जब यह पथरी टूटकर मूत्रवह स्रोतस्में अटकती है तब मूत्रावरोध में रुकावट होने के साथ-साथ भयंकर पीड़ा होती है।

सरल उपचार....

■ 1- गोखरू 10 ग्राम, ककड़ी के बीज 3 ग्राम पीसकर सुबह-शाम पीने से 21 दिन में पथरी गलकर निकल जायेगी।

■ 2- 20 ग्राम कुल्थी को 250 मि.लि. पानी में औटायें, जब 80 मि.लि. पानी रह जाय तो उतारकर छानकर ठण्डा कर आधा-आधा सुबह-शाम 40 दिन लगातार पीने से पथरी टूट-टूटकर निकल जाती है।

■ 3- पपीते की जड़, 10 ग्राम पानी के साथ पीसकर सुबह-शाम पियें कुछ दिन लगातार सेवन करने से पथरी टूट-टूटकर निकल जाती है।

कुछ ऐसे होते हैं कृष्ण पक्ष में जन्मे लोग

स्वभाव से निष्ठुर होने के साथ-साथ होते हैं क्रूर हिंदू धर्म में ग्रहों और नक्षत्रों को लोग काफी महत्वपूर्ण मानते हैं। व्यक्ति के जन्म के समय से उसके भाग्य का और उसके स्वभाव का पता लगाया जाता है। जब भी किसी बच्चे का जन्म होता है तो उसके जन्म के समय को सबसे पहले नोट किया जाता है। इसके द्वारा उसके ग्रहों नक्षत्रों को देखते हुए उसकी कुंडली बनाई जाती है जो उसका आने वाला भविष्य कैसा रहेगा इन सब बातों के बारे में पता लगता है।

ज्योतिष के अनुसार बच्चे के जन्म के समय के साथ उसके स्वभाव पर उसके घर के माहौल का भी बेहद असर पड़ता है। इसी के साथ उसकी कुंडली में जो ग्रह विराजमान होते हैं वो भी उसके जीवन पर असर डालते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार व्यक्ति की कुंडली के ग्रहों से व्यक्ति के स्वभाव के बारे में बताया जा सकता है।

जहां पर लोग अंग्रेजी कैलेंडर देखते हैं उसकी तरह से हिंदू धर्म का कैलेंडर पंचांग होता है। बता दें कि हिंदू धर्म में पंचांग का विशेष महत्व होता है। पंचांग अर्थात पांच कारकों तिथि, योग, करण, वार और नक्षत्र से मिलकर बनता हैं और इसी के आधार

पर पंचांग द्वारा गणना की जाती है, इसलिए ही इसे पंचांग कहा जाता है।

पंचांग के अनुसार एक साल में 12 महीने होते हैं और जिसमें हर एक दिन को एक तिथि कहा जाता है। हर दिन की तिथि की अवधि 19 घंटों से लेकर 24 घंटे तक की होती है। पंचांग के अनुसार हर महीने में 30 दिन होते हैं। और इन दिनों की संख्या की गणना सूरज और चंद्रमा की गति के अनुसार निर्धारित की जाती है। चन्द्रमा की कलाओं के ज्यादा होने या कम होने के अनुसार ही महीने को दो पक्षों में कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष में बांटा गया है। इन दोनों ही पक्षों में जन्म लेने वाले जातकों के स्वभाव में काफी अंतर होता है। तो आज हम आपको बताएंगे कि कृष्ण पक्ष में जन्में लोग कैसे होते हैं।

पूर्णिमा और अमावस्या के बीच के भाग को कृष्ण पक्ष कहा जाता है। पूर्णिमा के अगले दिन से ही कृष्ण पक्ष लग जाता है। बता दें कि कृष्ण पक्ष को अशुभ माना जाता है और ऐसी मान्यता है कि इस पक्ष में कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाने चाहिए।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पूर्णिमा के बाद चंद्रमा घटने लगता है जिसके बाद चंद्रमा की शक्तियां कम होने लगती है और चंद्रमा के आकार में भी कमी आने लगती और रातें अंधेरी होने लगती है इस कारण से इस पक्ष को शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए जो लोग पंचांग में विश्वास करते हैं वो कृष्ण पक्ष में कोई भी शुभ कार्य नहीं करते हैं।

कैसे होते हैं कृष्ण पक्ष में जन्में लोग कृष्णपक्ष में जन्म लेने वाले स्वभाव से निष्ठुर, द्वेषी स्वभाव, क्रूर होते हैं इसी के साथ वो ज्यादा सुंदर शरीर वाले भी नहीं होते हैं। हालांकि वो परिश्रमशील होते हैं। रात में जन्म लेने वाले लोग तामसिक स्वभाव वाले होते हैं और काम को छिपाकर कर करते हैं। इसी के साथ ऐसे लोग व्यर्थ में और अधिक बोलने वाले होते हैं।

हिंदी महीनों के अनुसार जन्म लेने वालों का स्वभाव इसी के साथ आषाढ़ महीने में जन्म लेने वाले लोग धर्म कर्म में रूचि रखते हैं लेकिन इसी के साथ ऐसे लोग आर्थिक तंगी से सदैव घिरे रहते हैं।

माघ मास में जन्म लेने वाले लोग काफी बुद्धिमान होते हैं इसी के साथ उनमें पैसा कमाने की ललक होती है। किंतु वो बहुत ही खरा बोलते हैं।

वहीं कार्तिक महीने में जन्म लेने वाले लोग स्वभाव से केवल निष्ठुर होते हैं लेकिन वो धनवान होते हैं।

प्रतिपदा को जन्मे लोग दुर्जन और कुसंगी होते हैं।

द्वितीया तिथि को जन्मे लोग स्वभाव से स्वार्थी होते हैं।

तृतीया को जन्मे लोग स्वभान से ईर्ष्यालु प्रवृत्ति के होते हैं।

साधुओं के अचूक आयुर्वेदिक प्रयोग :---

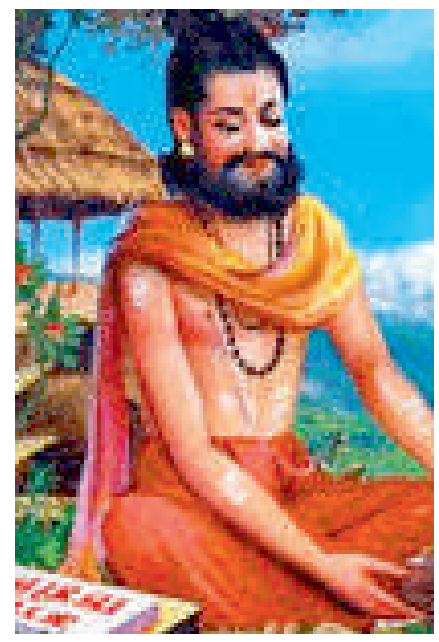

1- मधुमक्खी काटने की औषधीय ----

आक (मदार) के दूध में लौंग, गोल मिर्च, शुद्ध कड़वा तेल या सरसों का दाना एक में रगड़कर तेल में फेंटकर लगाये पीड़ा समाप्त हो जायगी।

2- मनुष्य के पेट में दर्द -----

आकाश बवर पीसकर थोड़ा शुद्ध घी एक चम्मच जल के साथ पिला दिया जाय दर्द मिट जायगा।

3- जहर खा लेने पर ------

अंकोल की छाल को, थोड़ा-सा पीसकर पिला दिया जाय, तो कैसा भी विष हो उसे उलटी द्वारा बाहर निकाल देता है। यह औषधी रामबाण है।

4- वातरोग या गठिया -----

हरसिंगार की चार या पाँच पत्ती पीसकर एक गिलास पानी से सुबह-

शाम दो या तीन सप्ताह पीने से रोग समाप्त हो जायगा।

5- कान का दर्द ------

पीपल के पत्ते का रस, कान में डालने से कान का दर्द, बहना तथा बहरापन चला जाता है।

6- चौथिया, जड़ेया बुखार ------

कपास के पत्तों को सूंघने से, चौथिया या जडैया बुखार जड़ से छूट जायगा।

7- सिरदर्द या सर्दी ------

पीपल के चार कोमल पत्तों का रस चूसिये। रस चूसते - चूसते दर्द या सर्दी जुक़ाम मिट जायगा।

8- खाँसी, दमा -----

पीपल के सूखे पत्तों को कूटकर, कपड़छान कर ले तथा एक बड़े चम्मच शुद्ध मधु 25 ग्राम में, 25 ग्राम पीपल पत्ते का चूर्ण, मिलाकर चाटने से खाँसी, दमा दो सप्ताह में, जड़ से समाप्त हो जायगा।

9- पीपल के फल के उपयोग ------

पीपल के फल को , सुखाकर व कूटकर कपड़छान कर ले। 250 ग्राम नित्य गाय के दूध में मिलाकर सेवन करने से , वह बल-वीर्य को बढ़ाता है, ताकत पैदा करता है और स्त्रियों के प्रसूत, प्रदर, मासिक धर्म की गड़बड़ी को भी , यह दूर कर देता है।

10- हैजा ------

अकवन (आक)-को , कुछ लोग मदार भी कहते हैं। अकवन की जड़ 100 मिलीग्राम, इतनी ही गोल मिर्च मिलाकर पीस ले और मटर के दाने के बराबर गोली बना ले। जिसे हैजा (कॉलरा) हो गया हो, उसे एक बार, दो गोली खिलाये, हैजा तुरंत - बंद हो जायगा।

समय से पहले सफेद होते बालों ने छीन ली है आपकी जवानी, तो इन सुपरफूड्स से पाएं काले और मजबूत बाल

इन दिनों लोगों की बदलती लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतें कई तरह की समस्याओं का कारण बन रही है। समय से पहले बालों का सफेद होना इन्हीं समस्याओं में से एक है, जो काफी निराशाजनक अनुभव हो सकता है। इससे न सिर्फ आपका लुक खराब होता है, बल्कि आपका कॉन्फिडेंस भी डाउन होता है।

ऐसे में अपनी डाइट में कुछ सुपरफूड्स को शामिल करना फायदेमंद साबित होगा। ये फूड्स एजिंग की प्रोसेस को धीमा करने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं असमय सफेद होते बालों को रोकने के लिए ऐसे ही कुछ फूड्स के नाम-

बेरीज

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और ब्लैकबेरी एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ते हैं, जो समय से पहले सफेद होने का एक प्रमुख कारण है। इनमें विटामिन-सी भी होता है, जो कोलाजन प्रोडक्शन के लिए जरूरी है, जो बालों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

डार्क चॉकलेट

सीमित मात्रा में अगर डार्क चॉकलेट खाई

जाए, तो इससे भी कम उम्र में सफेद होते बालों से राहत पा सकते हैं। डार्क चॉकलेट एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है और इसमें कॉपर होता है, जो मेलेनिन प्रोडक्शन (बालों के रंग के लिए जिम्मेदार तत्व) में मदद करता है।

पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल जैसी अन्य पत्तेदार सब्जियां विटामिन (ए, सी, ई), आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं, जो स्वस्थ बालों के पोर्स और मेलेनिन प्रोडक्शन के लिए जरूरी हैं।

अंडे

अंडे पोषक तत्वों का एक पावरहाउस होते हैं। इसमें प्रोटीन, बायोटिन और विटामिन बी12 होते हैं, जो बालों को हेल्दी और संभावित रूप से सफेद होने की प्रोसेस के लिए जरूरी हैं।

नट्स और सीड्स

बादाम, अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स बायोटिन, जिंक और अन्य पोषक तत्वों के बेहतरीन सोर्स हैं, जो बालों को मजबूती प्रदान करते हैं और समय से पहले सफेद होने से रोक देते हैं।

फैटी फिश

सैल्मन, मैकेरल और सार्डिन ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो स्कैल्प के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं और संभावित रूप से समय से पहले बालों को सफेद होने से रोकते हैं।

शकरकंद और गाजर

इन जीवंत सब्जियों में बीटा-कैरोटीन होता है, जो हेल्दी स्कैल्प और बालों के लिए सीबम प्रोडक्शन में मदद करता है।

दालें

दाल और फलियां प्रोटीन, आयरन और जिंक के बेहतरीन सोर्स होती हैं। ऐसे में इन्हें डाइट में शामिल करने से जो बालों के स्वास्थ्य और मेलेनिन प्रोडक्शन को मदद मिलती हैं।

फर्मेंटेड फूड्स

किम्ची, साउरक्राट और दही प्रोबायोटिक्स से भरपूर होते हैं, जो गट हेल्थ का समर्थन करते हैं और बायोटिन के लेवल में सुधार कर सकते हैं, जिससे बालों के स्वास्थ्य को फायदा मिलता है।

गांठ

स्तन की गांठ, लिपोमा, या फिर सिर पर गांठ हो ,बगल में फोड़ा,गले मे गांठ, पेट मे गांठ, महिलाओं के गर्भाशय में गांठ, या कोई भी गांठ हो। चूना अकेले ही कोई भी गांठ गला देता है।

कचनार की छाल और गोरखमुंडी कचनार की ताजी छाल 25-30 ग्राम (सुखी छाल 15 ग्राम) को मोटा मोटा कूट ले। 1 गिलास पानी मे उबाले। जब 2 मिनट उबल जाए तब इसमे 1 चम्मच गोरखमुंडी (मोटी कुटी या पीसी हुई) डाले। इसे 1 मिनट तक उबलने दे। छान ले। हल्का गरम रह जाए तब पी ले। ध्यान दे यह कड़वा है परंतु चमत्कारी है। गांठ कैसी ही हो, प्रोस्टेट बढ़ी हुई हो, जांघ के पास की गांठ हो, काँख की गांठ हो गले के बाहर की गांठ हो , गर्भाशय की गांठ हो, स्त्री पुरुष के स्तनो मे गांठ हो या टॉन्सिल हो, गले मे थायराइड ग्लैण्ड बढ़ गई हो (Goiter) या LIPOMA (फैट की गांठ) हो लाभ जरूर करती है। कभी भी असफल नहीं होती। अधिक लाभ के लिए दिन मे 2 बार ले।

लंबे समय तक लेने से ही लाभ होगा। 20-25 दिन तक कोई लाभ नहीं होगा निराश होकर बीच मे न छोड़े।

आकडे का दूध (Figures Milk) आकड़े के दूध में मिट्टी भिगोकर लेप करे।

निर्गुण्डी (Nirgundi) गेहूँ के आटे में पापड़खार तथा पानी डालकर पुल्टिस बनाकर लगाने से न पकने वाली गाँठ पककर फूट जाती है तथा दर्द कम हो जाता है।

गण्डमाला की गाँठें (Goitre) कोंच के बीज को घिस कर दो तीन बार लेप करने तथा गोरखमुण्डी के पत्तों का आठ-आठ तोला रस रोज पीने से गण्डमाला (कंठमाला) में लाभ होता है। तथा कफवर्धक पदार्थ न खायें।

काँखफोड़ा (बगल मे होने वाला फोड़ा) कुचले को पानी में बारीक पीसकर थोड़ा गर्म करके उसका लेप करने से या अरण्डी का तेल लगाने से या गुड़, गुग्गल और राई का चूर्ण समान मात्रा में लेकर, पीसकर, थोड़ा पानी मिलाकर, गर्म करके लगाने से काँख फोड़े में लाभ होता है।

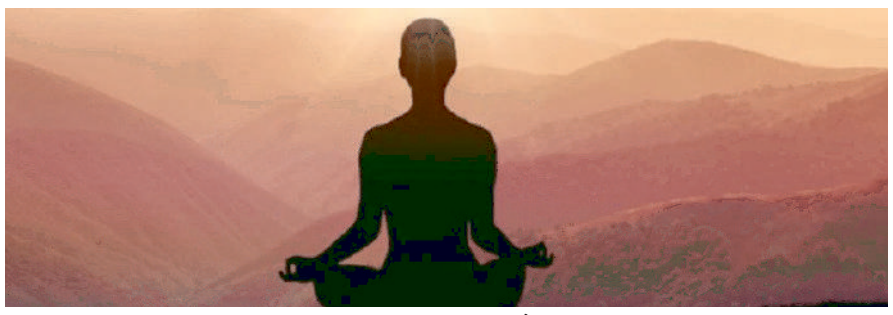

प्रतिदिन स्मरण करने वाले मंत्र

प्रातः हाथ(कर) दर्शनम्

कराग्रे वसते लक्ष्मी करमध्ये सरस्वती।

करमूले तू गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम्॥

पृथ्वी क्षमा प्रार्थना

समुद्र वसने देवी पर्वत स्तन मंडिते।

विष्णु पत्नी नमस्तुभ्यं पाद स्पर्शं क्षमश्वमेव॥

त्रिदेवों के साथ नवग्रह स्मरणब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च।

गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥

स्नान मन्त्र

गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।

नर्मदे सिन्धु कावेरी जले अस्मिन्सन्निधिम्कुरु॥

सूर्यनमस्कार ॐ सूर्य आत्मा

जगतस्तस्युषश्च आदित्यस्य नमस्कारं ये कुर्वन्ति दिने दिने।दीर्घमायुर्बलं वीर्यं व्याधि शोक विनाशनम्सूर्य पादोदकं तीर्थ जठरे धारयाम्यहम्॥

ॐ मित्राय नमः

ॐ रवये नमः

ॐ सूर्यायनमः

ॐ भानवे नमः

ॐ खगाय नमः

ॐ पूष्णे नमः

ॐ हिरण्यगर्भाय नमः

ॐ मरीचये नमः

ॐ आदित्याय नमः

ॐ सवित्रे नमः

ॐ अर्काय नमः ॐ भास्कराय नमः

ॐ श्री सवितृ सूर्यनारायणाय नमः

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीदमम भास्कर।दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥दीप दर्शन

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा।

शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोऽस्तु ते॥

दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।

दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोऽस्तु ते॥

गणपति स्तोत्रगणपतिः विघ्नराजो लम्बतुन्डो गजाननः।

द्वै मातुरश्च हेरम्ब एकदंतो गणाधिपः॥

विनायकः चारूकर्णः पशुपालो भवात्मजः।

द्वादश एतानि नामानि प्रातः उत्थाय यः पठेत्॥

विश्वम तस्य भवेद् वश्यम् न च विघ्नम् भवेत्क्वचित्।#विघ्नेश्वराय वरदाय शुभप्रियाय।

लम्बोदराय विकटाय गजाननाय॥

नागाननाय

श्रुतियज्ञविभूषिताय।गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥#शुक्लाम्बरधरं देवं शशिवर्णं चतुर्भुजं।प्रसन्नवदनं ध्यायेतसर्वविघ्नोपशान्तये॥

आदिशक्तिवंदनासर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।

शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते॥

शिवस्तुतिकर्पूर गौरम करुणावतारं,संसार सारं भुजगेन्द्र हारं।सदा वसंतं हृदयार विन्दे,भवं भवानी सहितं नमामि॥

विष्णुस्तुतिशान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशंविश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यम्वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥

श्री कृष्णस्तुतिकस्तुरी तिलकम ललाटपटले, वक्षस्थले कौस्तुभम।नासाग्रे वरमौक्तिकम करतले, वेणु करे कंकणम॥

सर्वांगे हरिचन्दनम सुललितम, कंठे च मुक्तावलि।गोपस्त्री परिवेष्टितथो विजयते, गोपाल चूडामणी॥

मूकं करोति वाचालं पंगुं लंघयते गिरिम्।यत्कृपा तमहं वन्दे परमानन्द माधवम्॥

श्रीराम वंदनालोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्।कारुण्यरूपं करुणाकरं तं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये॥श्रीरामाष्टकहे रामा पुरुषोत्तमा नरहरे नारायणा केशवा।

गोविन्दा गरुड़ध्वजा गुणनिधे दामोदरा माधवा॥हे कृष्ण कमलापते यदुपते सीतापते श्रीपते।

बैकुण्ठाधिपते चराचरपते लक्ष्मीपते पाहिमाम्॥

एक श्लोकी रामायणआदौ रामतपोवनादि गमनं हत्वा मृगं कांचनम्।वैदेही हरणं जटायु मरणं सुग्रीवसम्भाषणम्॥

बालीनिर्दलनं समुद्रतरणं लंकापुरीदाहनम्।पश्चाद्रावण कुम्भकर्णहननं एतद्धि श्री रामायणम्॥

सरस्वतीवंदनाया कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।या वींणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपदमासना॥

या ब्रह्माच्युतशङ्कर प्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।सा माम पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्याऽपहा॥

हनुमानवंदनाअतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहम्।दनुजवनकृषानुम् ज्ञानिनांग्रगणयम्।सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम्।रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि॥मनोजवं मारुततुल्यवेगम जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठं।वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणम्प्रपद्ये॥स्वस्तिवाचनॐ स्वस्ति न इंद्रो वृद्धश्रवाःस्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः।स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्ट्टनेमिःस्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु॥शांतिपाठॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते।पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष (गुँ) शान्तिः,पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः।वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः,सर्व (गुँ) शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि॥

॥ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से की मुलाकात

परिवहन विशेष न्यूज

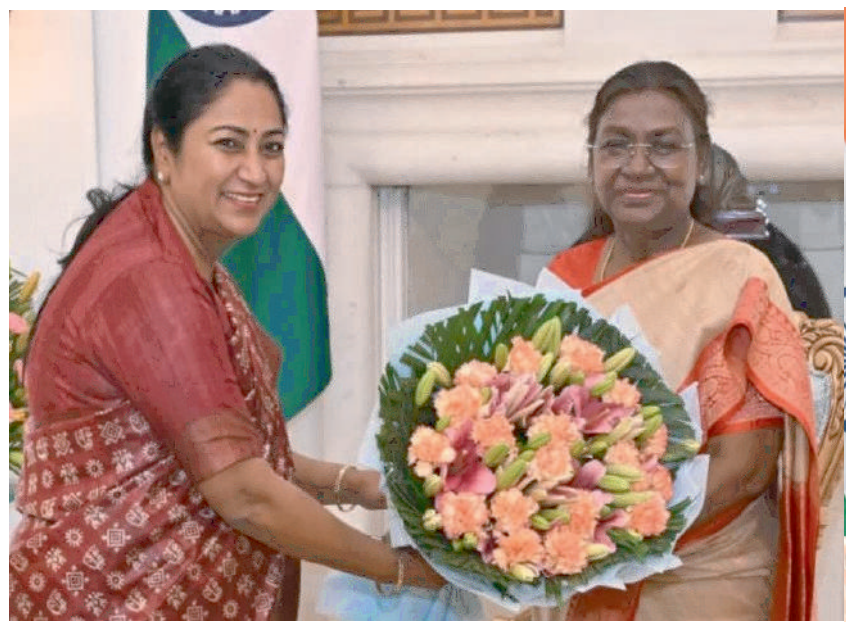

नई दिल्ली: दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. उसके बाद उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ से भी मुलाकात की. रेखा गुप्ता दोपहर 12:30 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने राष्ट्रपति भवन पहुंची. इस दौरान उन्होंने गुलदस्ता देकर राष्ट्रपति मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की. इसके अलावा, शाम को मुख्यमंत्री का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात का कार्यक्रम है. वहीं, आज वो अपने मंत्रियों के साथ दिल्ली सचिवालय में भी एक बैठक रखी हैं.

बता दें कि इससे पहले गुरुवार को शपथ ग्रहण के बाद दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सचिवालय पहुंचकर अपना कार्यभार संभाल लिया था. साथ ही शाम को छह बजे वह वासुदेव घाट पर अपनी पूरी कैबिनेट के साथ यमुना आरती करने भी पहुंची थी. उसके बाद शाम को 7 बजे उन्होंने अपनी कैबिनेट की पहली बैठक भी की थी. पहली बैठक में ही उन्होंने चुनाव के समय भाजपा के संकल्प पत्र के दो वादों को पूरा करना सुनिश्चित किया था.

भाजपा ने ये दो वादा किया पूरा: पहला वादा दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का प्रस्ताव पारित करना और दूसरा दिल्ली सरकार में विधानसभा में पेश नहीं की गई 14 कैग रिपोर्ट को भी विधानसभा में पेश करने का प्रस्ताव पारित करना शामिल रहा. अब 24 से 27 फरवरी तक चलने वाले दिल्ली की आठवीं विधानसभा के सत्र में विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव और सभी विधायकों की शपथ ग्रहण के बाद कैग रिपोर्ट विधानसभा के पटल पर रखी जाएगी. रिपोर्ट के विधानसभा में रखे जाने के बाद आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जैसा बीजेपी दावा करती रही है कि आप की सरकार ने कई विभागों में जमकर भ्रष्टाचार किया था.

कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने भी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से की मुलाकात

कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने भी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से की मुलाकात (ETV BHARAT)

कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी की उपराष्ट्रपति से मुलाकातः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अलावा कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने भी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से उनके आवास पर पहुंचकर मुलाकात की. बता दें कि प्रवेश वर्मा ने भी दिल्ली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गुरुवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बाद दूसरे नंबर पर शपथ ग्रहण की थी और उसके बाद सचिवालय पहुंचकर कैबिनेट की बैठक में शिरकत की थी. उससे पहले मुख्यमंत्री के साथ यमुना आरती में भी भाग लिया था।

हज़ारों की संख्या में नई मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे लोग, दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली: राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नई मुख्यमंत्री के तौर पर रेखा गुप्ता को चुना है. यह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं. रेखा गुप्ता को उनके प्रशंसक ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं. रामलीला मैदान में सीएम पद की शपथ लेने के बाद आज सुबह से ही उनके घर भारी संख्या में लोग पहुंचे. दरअसल, रेखा गुप्ता का घर शालीमार बाग में हैं. उन्होंने अपने घर के सामने लोगों से मुलाकात की और आभार व्यक्त किया. मुलाकात का समय सुबह 7 बजे से 10 बजे तक रहा, लेकिन 6 बजे से लोग पहुंचने लगे थे. करीब 7 बजे रेखा गुप्ता अपने घर से बाहर आईं और करीब 11 बजे तक जनता से मुलाकात की. दिल्ली के तमाम कोनों से हज़ारों लोग गुलदस्ते, मिठाई, उपहार आदि सामान भेंट लेकर पहुंचे।

नई दिल्ली भगदड़: सभी 18 मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई, जानिये क्या रहा मुख्य कारण

परिवहन विशेष न्यूज

सूत्रों का कहना है कि उच्च स्तरीय कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस अपनी जांच में आए साक्ष्यों का मिलान करेगी। उसके बाद ही पुलिस इस बाबत कोई मामला दर्ज करेगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी की रात हुई भगदड़ में मारे गए 18 लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 10 से ज्यादा लोगों की मौत दम घुटने से हुई है, वहीं अन्य लोगों के सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हुई है।

उच्च स्तरीय कमेटी को पुलिस शनिवार को सौंपेगी रिपोर्ट

मामले की जांच कर रही दो सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी मामले की जांच कर रही है और कमेटी ने पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घायलों की मेडिकल रिपोर्ट मांगी है। शनिवार को पुलिस उन्हें रिपोर्ट सौंपेगी। उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस इस बाबत मामला दर्ज करेगी।

203 सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी गई

घटना के बाद दो सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान कमेटी की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और टीम ने 203 सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को अपने कब्जे में लिया। साथ ही घटना के दौरान स्टेशन पर तैनात होने वाले विभिन्न विभागों के कर्मियों की जानकारी हासिल की है। वहीं सूत्रों का कहना है कि उच्च स्तरीय कमेटी के साथ राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) भी घटना के बाद अपने स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी।

जहां हादसा, वहां नहीं थी सीसीटीवी

पुलिस की जांच के दौरान घटनास्थल का दौरा किया और वहां के सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में किया। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि जिस जगह पर घटना हुई है, वहां कोई सीसीटीवी कैमरा मौजूद नहीं था। जिसकी वजह से घटना के सही कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। इसके बाद पुलिस ने घटना में घायल हुए करीब दस लोगों के बयान दर्ज कर लिया है।

रिपोर्ट आने के बाद दर्ज होगा मामला

सूत्रों का कहना है कि उच्च स्तरीय कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस अपनी जांच में आए साक्ष्यों का मिलान करेगी। रेलवे पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में हुई घटना में पुलिस रेलवे की उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। इधर रेलवे पुलिस ने भी अपनी तरफ से जांच पूरी कर ली है। रेलवे की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरविंदर सिंह लवली होंगे सदन में प्रोटेम स्पीकर, 24 फरवरी से शुरू होगा दिल्ली विधानसभा सत्र

परिवहन विशेष न्यूज

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 24 फरवरी को दिल्ली विधानसभा सत्र की शुरुआत होगी और 25 फरवरी को लंबित 14 सीएजी की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा जाएगा।

भाजपा विधायक और पूर्व दिल्ली विधानसभा नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि अरविंदर सिंह लवली सदन के प्रोटेम स्पीकर होंगे। गुप्ता ने गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक के बारे में कहा कि मुख्यमंत्री के साथ बैठक में इस बात पर चर्चा हुई है कि आगे की कार्यवाही कैसे आगे बढ़ाई जाए।

कौन होता है प्रोटेम स्पीकर?

प्रोटेम स्पीकर सदन का एक अस्थायी अध्यक्ष होता है जो सीमित अवधि के लिए और पूर्णकालिक अध्यक्ष के चुनाव होने तक सदन की कार्यवाही का संचालन करता है। गुप्ता ने बता करते हुए आगे कहा कि नई सरकार नए उत्साह और नए जुनून के साथ सत्ता में आई है। बता दें कि वीजेंद्र गुप्ता को नई सरकार में विधानसभा स्पीकर चुना जाएगा।

24 फरवरी से विधानसभा सत्र

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 24 फरवरी को दिल्ली विधानसभा सत्र की शुरुआत होगी और 25 फरवरी को लंबित 14 सीएजी की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा जाएगा। सदन का पहला सत्र तीन दिन तक (27 फरवरी) चलेगा। सत्र के पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी।

रेखा की टीम में कौन-कौन?

गुरुवार को रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शालीमार बाग विधानसभा की विधायक रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इनके साथ ही दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पार्टी नेता प्रवेश वर्मा और आशीष सूद को भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलवाया। इनके अलावा भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। सिरसा ने पंजाबी में शपथ लिया। भाजपा विधायक रविन्द्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने भी दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली।

पहली कैबिनेट बैठक के बाद क्या बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

दिल्ली सरकार ने गुरुवार रात आयुष्मान योजना को मंजूरी दे दी। साथ ही, विधानसभा सत्र की पहली बैठक में आप सरकार के कार्यकाल में आई सीएजी की 14 रिपोर्टों को सदन के पटल पर रखा जाएगा। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में केंद्र सरकार की लोकप्रिय और जनकल्याणकारी आयुष्मान योजना को लागू किया जाएगा, जिसे आप सरकार ने रोक रखा था। पहली बैठक में कैबिनेट ने इस योजना लागू करने का फैसला किया गया है। इसमें पांच लाख रुपये केंद्र सरकार और पांच लाख रुपये दिल्ली सरकार देगी। केंद्र सरकार की 70 साल की उम्र पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों के मुफ्त इलाज की सुविधा अब दिल्लीवालों को मिलेगी। मंजूरी के बाद योजना लागू करने की आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही इसका मसौदा सार्वजनिक कर दिया जाएगा। रेखा गुप्ता के मुताबिक, बैठक में आप सरकार के दौरान आई सीएजी रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। इसकी 14 रिपोर्ट अभी लंबित हैं। विधानसभा की पहली बैठक में इसे सदन में रखा जाएगा।

दिल्लीवालों को होली से पहले मुफ्त सिलेंडर का तोहफा दे सकती है दिल्ली सरकार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्लीवालों को होली से पहले मुफ्त सिलेंडर का तोहफा दिल्ली सरकार दे सकती है। भाजपा की नवनिर्वाचित सरकार ने इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है। योजना का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। कैबिनेट की अगली बैठक में इस पर फैसला भी लिया जा सकता है। दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि विभागीय अधिकारियों के साथ इस बारे में बैठक हुआ है। होली और दिवाली गरीब महिलाओं को एक-एक एलपीजी सिलेंडर दिए जाने की योजना का खाका तैयार हो गया है।

ड्राफ्ट तैयार

शुक्रवार दिल्ली सचिवालय में सिरसा ने कहा कि इस योजना के लिए ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। अगले दो दिनों में होने वाली कैबिनेट बैठक में फ्री सिलेंडर की योजना पर मुहर लग जाएगी। साल में दो सिलेंडर फ्री दिए जाने के साथ साल के अन्य 10 और सिलेंडर पर भी सब्सिडी देकर कुल 500 रुपये की कीमत पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम अपने संकल्प पत्र के हर वादे को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अलग-अलग विभाग से जुड़ी जनहित की योजनाओं को जल्दी ही धरातल पर लाने का काम किया जाएगा।

भाजपा ने किया था वादा

भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में दिल्ली की जनता को लुभाने के लिए कई वादे किए थे। इसमें गरीब परिवारों को एलपीजी सिलेंडर पर 500 रुपये की सब्सिडी और होली-दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर का वादा भी शामिल था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा था कि होली-दिवाली पर भाजपा सरकार सभी परिवारों को फ्री गैस सिलेंडर देगी।

बैठकों का दौर जारी, प्राथमिकता में मुफ्त सिलेंडर

शपथ ग्रहण के दूसरे दिन शुक्रवार को भी बैठकों का दौर जारी रहा। अलग-अलग योजनाओं के बारे में मंत्रियों ने अधिकारियों को निर्देश भी जारी किए। इसमें सबसे पहले होली का त्योहार है। भाजपा का होली व दिवाली गरीब महिलाओं को फ्री सिलेंडर देने का वायदा प्राथमिकता में है। कैबिनेट की अगली बैठक में इसका प्रस्ताव लाने की बात भी मंत्री ने कही है। होली-दिवाली पर फ्री गैस सिलेंडर सरकार उन्हीं महिलाओं को देगी, जिनके नाम एलपीजी गैस सिलेंडर का कनेक्शन है।

दिल्ली की भाजपा सरकार राजधानी का करेगी पूर्ण विकास: ऋषि पाल

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर के जुझारू कर्मठ भाजपा नेता ऋषिपाल वाल्मीकि ने दिल्ली में भाजपा सरकार के बनने पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि अब दिल्ली का पूर्ण विकास होगा तथा जनता को किए हुए वादे पूरे होंगे।उन्होंने भाजपा की इस जीत में दक्षिण दिल्ली के कर्मठ सांसद रामवीर सिंह विधूडी के योगदान पर उन्हें बधाई दी।ऋषिपाल ने कहा कि ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर के लक्ष्मण ने ओबीसी समाज को संगठित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वही अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने भी अनुसूचित जाति को भाजपा के पक्ष में लामबंद करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की।इन नेताओं के मेहनत एवं रणनीति का नतीजा है कि 27 वर्षों बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है।उन्होंने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व की रणनीति एवं उनके कार्यों की सराहना की जिसके कारण आज दिल्ली में भाजपा सत्तासीन हो सकी है।उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देश एवं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली का सर्वांगीण विकास होगा।झूठ फरेब की आम आदमी पार्टी सरकार की विदाई से जनता काफी खुश है।

प्रेरक प्रसंग - झुका हुआ पेड़

स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'माटी के अनमोल तत्व हमेशा सीख देते है कि एक बीज अंकुरित होता है फिर मिट्टी में वह पौधा अपनी जड़ों को मजबूत करके फैलता है। मिट्टी में अपनी मजबूत पकड़ का वह परिदृश्य सभी रिश्तों में हमेशा से अपनापन नज़र आता है। यही जीवन का सार भी है। मनुष्य को हमेशा से नम्र होना चाहिए। झुकना स्नेह व

वात्सल्य का मजबूत आधार होता है। कोध माया लोभ लालच व अन्य नाकारात्मक विचारों से मनुष्य ग़लत दिशा में चला जाता है और वही उनके लिए जिंदगी खराब करने वाला क़दम होता है। ज्यादा उच्चाईया भी ठीक नहीं होती है। खजूर का पेड़ इतना उंचा होता है पर किसी का सहारा नहीं होता ना किसी को छाया मिलती और ना जल्दी फल फिर ऐसा पेड़ किस काम है ? पेड़ों में आम देखो कितना विशाल घना होता है दो पल उसकी छाया में थका हारा मनुष्य व जीव जन्तु विश्राम कर लेते हैं और भूख लगे तो उसके फल भी खा लेते हैं और ईंधन या हवन के लिए सुखी लकड़ियों को ले जाकर अपने अपने हिसाब से काम में लेते हैं।यही फर्क है एक लम्बा व बड़ा आकाश चूमता हुआ पेड़ और एक जमीन से जुड़ा व झुका हुआ पेड़ में। अपनों में अपनापन होना बहुत जरूरी है। सभी के प्रति एक भाव रहना चाहिए इसलिए हम मनुष्य को भी हमेशा से एक-दूसरे के आदर-सत्कार व अपने संस्कारों के अनुरूप नम्रता का भाव सदा रखना चाहिए। इस भाव से ही सभी में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होगी। यह झुका हुआ पेड़ हमें यही सीख देता है कि हमेशा अपने अन्दर नम्रता को बनायें रखें।

साईं नेत्रहीन सेवा संस्था का 108वां मासिक राशन वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। साईं नेत्रहीन सेवा संस्था का 108वां मासिक राशन वितरण कार्यक्रम शिव मंदिर, ए-6 ब्लॉक, पश्चिम विहार में आयोजित किया गया।

संस्था के अध्यक्ष के एन शशि ने बताया कि मार्च 2016 में 26 नेत्रहीन परिवारों की सहायता से शुरू होकर जनवरी 2025 में पिछले महीने 198 नेत्रहीन परिवारों को राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई। यह सब आप जैसे सम्मानित सदस्यों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

अधिकांश नेत्रहीन परिवार भीख मांगकर गुजारा करते हैं। कुछ ही परिवार ऐसे हैं जो सामान बेचकर थोड़ा बहुत गुजारा करते हैं।

आपसे अनुरोध है कि SNSS से ऐसे ही जुड़े रहें साथ ही और लोगों को भी जोड़ें ताकि हम सब मिलकर समाज के इस जरुरतमंद वर्ग की सहायता करके समाज के प्रति कुछ अपना योगदान दे सकें।

सेवा के माध्यम से ही परमात्मा को प्राप्त किया जा सकता।

1800 किमी का सफर...पुलिस और रेलवे को नहीं लगी भनक, गांजा तस्कर का दिमाग देख चौंक जाएंगे आप

पुलिस ने दावा किया है कि तस्कर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से ट्रेन के जरिए गांजा लेकर नोएडा आए थे। राज्य पुलिस और आंध्र प्रदेश से नोएडा के बीच रेलवे पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। गांजा तस्कर एक क्विंटल से ज्यादा गांजा लेकर ट्रेन से नोएडा आते हैं। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की मुस्तैदी के चलते उन्हें पकड़ लिया जाता है।

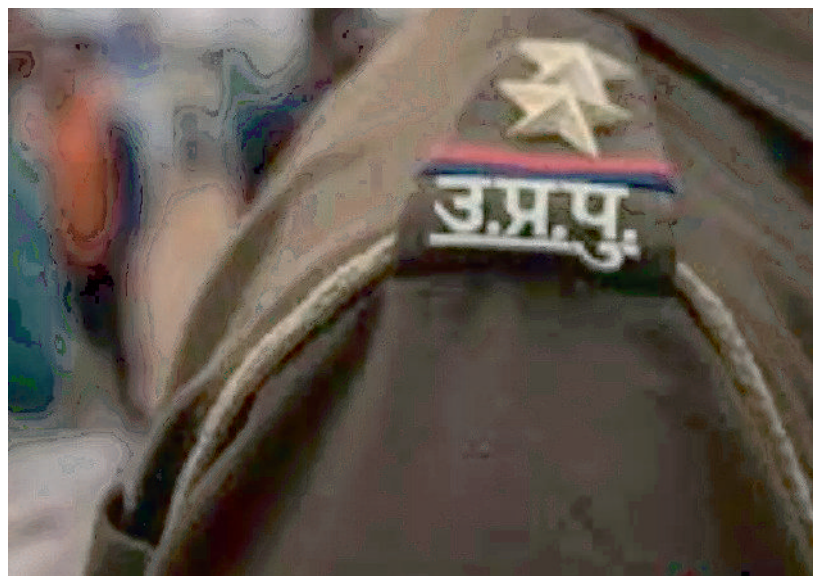

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में 1800 किलोमीटर दूर से गांजा लाकर खपाया जा रहा है। गांजा लाने के लिए ट्रेनों का भी सहारा लिया जा रहा है। इसका उदाहरण फेज-2 थाना पुलिस द्वारा पकड़े गए चार गांजा तस्करों के मामले में देखा जा सकता है।

पुलिस ने दावा किया है कि तस्कर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से ट्रेन के जरिए गांजा लेकर नोएडा आए थे। राज्य पुलिस और आंध्र प्रदेश से नोएडा के बीच रेलवे पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी।

गांजा तस्कर एक क्विंटल से ज्यादा गांजा लेकर ट्रेन से नोएडा आते हैं। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की मुस्तैदी के चलते उन्हें पकड़ लिया जाता है।

बरामद गांजा पांच नायलॉन की बोरियों में होता है लेकिन रास्ते में आंध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जैसे किसी भी राज्य की पुलिस और रेलवे पुलिस की पकड़ में नहीं आता। यह हाल तब है जब देश का सबसे बड़ा आयोजन कुंभ मेला चल रहा है।

पैकिंग के खेल से नहीं आ रहे पकड़ में

पुलिस सूत्रों के अनुसार, तस्कर गांजा भेजने के लिए कूरियर सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। वे गांजा को चालाकी से पैक करवाते हैं ताकि किसी की नजर न पड़े। वे घर तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन बुकिंग भी कर रहे हैं। इससे अधिकारियों के लिए शिपमेंट से पहले गांजा का पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

युवाओं को बना रहे नशे का आदी

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए गिरोह के सरगना अनुज का नेटवर्क पूरे एनसीआर में फैला हुआ है। नेटवर्क के तार ओडिशा और आंध्र प्रदेश तक फैले हुए हैं। नोएडा एजुकेशन हब और औद्योगिक शहर है, इसलिए यहां ड्रग्स की मांग है। गिरोह इसी का फायदा उठा रहा है।

गिरोह के सदस्य युवाओं को गांजा मुहैया करा रहे हैं। इससे युवा नशे के आदी हो रहे हैं। नशे की लत लगने के बाद उनसे ड्रग्स मुहैया कराने के लिए मनमाना पैसा वसूला जा रहा है।

कमिश्नरेट पुलिस नशे पर सख्त

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस नशे को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पिछले साल तीनों जोन में मैराथन अभियान चलाकर संयुक्त कार्रवाई की गई थी।

100 टीमों ने 700 से ज्यादा जगहों पर चेकिंग कर नशे के कारोबार में लिप्त 68 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जबकि आठ दिन पहले गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने 1.25 करोड़ रुपये कीमत का 646 किलो गांजा नष्ट किया था।

40 हजार का पेट्रोल और डीजल ड्रम में भरकर ले गए बदमाश, रात में कर्मचारी को बंधक बनाकर की लूट

पेट्रोल पंप मालिक ने बताया कि उनके कर्मचारी को बंधक बनाया गया। बदमाश अपने साथ लाए कई ड्रम में करीब 40 हजार रुपए की कीमत का पेट्रोल और डीजल भरकर ले गए हैं। इसके अलावा कर्मचारी ले हजारों रुपए लूट लिए और भाग गए।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर गुरुवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी को बंधक बनाकर लूटपाट की है। पेट्रोल पंप मालिक अजय बंसल के मुताबिक उनके कर्मचारी लाल चौधरी को बंधक बनाया गया है। बदमाश अपने साथ लाए कई ड्रम में करीब 40 हजार रुपए की कीमत का पेट्रोल और डीजल भरकर ले गए हैं। इसके अलावा कर्मचारी ले हजारों रुपए लूट लिए और भाग गए। पेट्रोल पंप पर लगातार हो रही लूटपाट के विरोध में डीजल पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया। चेतावनी दी कि हाल फिलहाल में पेट्रोल पंप पर तीनों लूट का जल्द खुलासा नहीं किया तो वे हड़ताल शुरू करेंगे।

पार्किंग पर्ची को लेकर एसआई से युवक ने की हाथापाई, एफआईआर दर्ज

परिवहन विशेष न्यूज

सोहना। बस स्टैंड परिसर के अंदर शहर थाने के दो पुलिस अधिकारियों से पार्किंग पर्ची मांगना और हाथापाई करना पार्किंग पर तैनात कर्मचारी युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करके आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है।

कस्बे में बुधवार की शाम को शहर थाने में तैनात महिला एसआई रजमा व एसआई अब्दुल रज्जाक व दूसरे अन्य वाहन एक साथ बस स्टैंड परिसर के अंदर आकर रुके। सिविल वर्दी में आए पुलिस अधिकारियों ने अपने वाहन बस अड्डे में थाने की दीवार के पीछे खड़े कर दिए। दोनों ही अधिकारी अपने अपने वाहनों से नीचे उतरे, तभी बस स्टैंड परिसर में बनी सरकारी पार्किंग का कर्मचारी भागकर उनके पास आया और पार्किंग शुल्क मांगा। इस पर एसआई अब्दुल रज्जाक ने कर्मचारी युवक अभिषेक निवासी ललाखेडली को अपने पास बुलाया और उससे बातें करने लगा। इसी दौरान अभिषेक व एसआई के बीच कहा-सुनी होने लगी। जरा ही देर में दोनों के बीच हाथापाई हो गई।

झगड़े को देखकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और उन्होंने दोनों का बीचबचाव कराया। पुलिस आरोपी युवक अभिषेक को पकड़कर थाने में ले गई। वहीं पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करके आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है।

मनचलों को पकड़ने सादी वर्दी में पहुंची थी पुलिस:

जानकारी अनुसार पुलिस को बस स्टैंड के अंदर मनचलों की शिकायत मिल रही थी। इन पर शिकंजा कसने के लिए दोनों ही अधिकारी सादी वर्दी में मनचलों को पकड़ने के लिए गए थे। पुलिस सूत्र बताते हैं कि आरोपी युवक ने महिला एसआई से अभद्र भाषा का उपयोग किया था। इसको एसआई रज्जाक समझाने लगा था। इसी बीच दोनों के बीच कहा-सुनी हुई और हाथापाई हो गई।

तीस से ज्यादा बैटरी चोरी करने वाले गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर दो बी और सेक्टर तीन में 30 से भी अधिक कार की बैटरी चोरी करने वाले गैंग के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें पूर्वी दिल्ली के पुराना मुस्तफाबाद स्थित दयालपुर निवासी परवेज, गोकुलपुरी निवासी बिलाल और आसिफ हैं। बृहस्पतिवार को एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने मामले का खुलासा किया। आरोपियों के कब्जे से 16 कार की बैटरी भी बरामद की गई हैं। पूछताछ में तीनों ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कार बैटरी चोरी की करीब 80 वारदातों को स्वीकार किया है।

एसीपी ने बताया कि परवेज पांचवीं और बिलाल व आसिफ आठवीं पास हैं और तीनों दोस्त हैं। तीनों ने साथ मिलकर 17 फरवरी को वसुंधरा सेक्टर तीन स्थित एसजी होम्स की पार्किंग से पांच और उससे सात दिन पहले 11 फरवरी को सेक्टर दो बी में 300 मीटर तक खड़ी करीब 25 से भी ज्यादा गाड़ियों से बैटरी चोरी की थी। गिरफ्तार हुए आरोपी परवेज की दिल्ली में ही कबाड़ की दुकान भी है। एसीपी ने बताया कि बिलाल और आसिफ अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सोसायटी में खड़ी कारों से बैटरी चोरी करते थे। इसके बाद परवेज के कबाड़ गोदाम में एकत्र कर अलग-अलग कबाड़ियों को बेचने का काम करते थे। पुलिस से बचने के लिए आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगी गाड़ी का इस्तेमाल करते थे।

एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में करीब 80 चोरी की वारदातें स्वीकार की हैं। परवेज के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में दो, बिलाल के खिलाफ चोरी व आर्म्स एक्ट के सात और आसिफ पर तीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। एसीपी ने बताया कि तीनों से पूछताछ के बाद गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश भी की जा रही है, जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

एयर टिकट के नाम पर युवती से दो लाख रुपये ठगे

गुरुग्राम। साइबर अपराध थाना पूर्व क्षेत्र निवासी युवती को ट्रेवल एजेंट के माध्यम से इंटरनेशनल टिकट कराना महंगा पड़ गया। एयर टिकट के नाम पर युवती से आशीष सक्सेना नामक ट्रेवल एजेंट ने दो लाख रुपये ले लिए थे, लेकिन पांच माह बाद भी न तो युवती को टिकट मिले और न ही रुपये वापस किए गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता प्रियंका उप्पल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह ट्रेवल एजेंटी द्वारा की गई धोखाधड़ी की शिकार हो गई। 8 सितंबर 2024 को उसने आशीष सक्सेना के माध्यम से इंटरनेशनल ट्रेवल टिकट बुक कराया था। ट्रेवल एजेंट ने प्रियंका को प्रतिस्पर्धी मूल्य पर कन्फर्म टिकट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इसके लिए प्रियंका ने ट्रेवल एजेंट आशीष सक्सेना को ऑनलाइन बैंक ट्रांसफर के माध्यम से दो लाख रुपये भेज दिए।

कार और 7 लाख न मिलने पर दिया तीन तलाक

पुन्हाना। पुन्हाना शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक विवाहिता के साथ दहेज के लिए प्रताड़ित कर मारपीट करने तथा तीन तलाक बोलकर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर पति, जेठ और जेठानी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुन्हाना के पटाकपुर की रहने वाली एक पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2023 में आदिल पुत्र अब्दुल रहमान निवासी ढाड़ोला, पिनगवां के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार उसका निकाह हुआ थी। शादी के समय उनके पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया था। इसमें एक बाइक, 5 लाख नकदी सहित घरेलू सामान पर करीब 12 लाख रुपये खर्च किए थे। जब वह ससुराल पहुंची तो पति आदिल, जेठ हैदर और जेठानी रुखसाना ने ताना दिया कि दूसरी जगह से हमें एक ऑल्टो गाड़ी और 7 लाख रुपये मिल रहे थे।

महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही कम दहेज के लिए पति, जेठ और जेठानी तंग करने लगे। तीनों आरोपियों ने मानसिक व शारीरिक रूप से काफी परेशान किया। कई बार गांव के मौजिज लोगों ने उक्त आरोपियों को समझाया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़े रहे। विवाहिता ने बताया कि उनके पिता ने पति के सामने अपनी गरीबी का हवाला देते हुए कहा कि वह उनकी मांग पूरी नहीं कर सकता। जिसके बाद आरोपियों ने महिला को कमरे में बंद कर लाठियों से पीटा और गले में फंदा लगाकर जान से मारने का प्रयास किया। जैसे-तैसे महिला ने आरोपियों से अपनी जान बचाई और परिजनों को सूचना दी। पीड़िता ने बताया कि जब उनके पिता गांव के अन्य लोगों को लेकर आए तो पति आदिल ने मुझे तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलकर धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने बताया कि उनके पास एक 8 महीने की बेटी भी है। पुलिस ने फिलहाल शिकायत के आधार पर पति, जेठ और जेठानी के

सूचना प्रसारण मंत्रालय ने की नई एडवाइजरी जारी-सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ध्यान दें- नियम तोड़े तो खानी पड़ सकती है जेल की रोटी !

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया की अति तीव्र गति से प्रगति हुई है। एक ओर जहां हमें अनेक लाभ मिल रहे हैं, तो उनके साइड इफेक्ट्स भी हमें देखने को मिल रहे हैं। हम व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम, टेलीग्राम ओटीटी इत्यादि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हमें कई अश्लील फोटो व कंटेंट पोस्ट करने व देखने को प्रचलन बढ़ सा गया है। व्हाट्सएप ग्रुप में अगर कोई जानकारी पढ़ा लिखा, कानूनविद वकील सीए या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ यानी मीडिया से जुड़ा व्यक्ति है तो ग्रुप एडमिन उसे रिमूव भी कर देता है, जिसका जीता जाता उदाहरण मैं हूं, मुझे एक व्हाट्सएप ग्रुप जिसमें अभद्रता कंटेंट्स का चलन अधिक था उसमें से मुझे रिमूव किया गया क्योंकि उनकी पोलपट्टी का मैं साक्षात गवाह बन रहा था। किसी केकेटी नामक खैराती एडमिन ने मुझे रिमूव किया है जो मीडिया जगत के लिए अपमान वाली बात है, जिसे रेखांकित करना जरूरी। हालांकि इन अश्लील कंटेंट्स को नियंत्रित करनेके लिए एमआईबी द्वारा अनेकों बार समय समय पर अनेकों दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 20 फरवरी 2025 को केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने एक नई एडवाइजरी जारी की है जिसका पालन नहीं करने पर या नियमों का उल्लंघन कर नियम तोड़ने वाले को जेल की हवा खानी पड़ सकती है, चूँकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का प्रचलन बड़ा है, अतः चार कानूनों के अंतर्गत सख़्ती से कार्यवाही ज़रूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सीक्रेट कैमरों से श्रद्धालु महिलाओं की निजता हनन, इलाहाबादिया, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम पर अभद्र कंटेंट का संभाव्य संज्ञान को लेकर लेकर सख्त कार्रवाई ज़रूरी।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी नई गाइडलाइंस की करें तो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ओटीटी जिसमें अवैध और प्रतिबंधित कंटेंट से बचने, उम्र-आधारित वर्गीकरण लागू करने और वयस्क सामग्री के लिए एक्सेस कंट्रोल मैकेनिज्म को अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।यह एडवाइजरी ऐसे समय में आईहै जब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर विवाद बढ़ रहे हैं, हाल ही में यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की एक डिजिटल शो में की गई भद्दी टिप्पणी को लेकर भी काफी हंगामा हुआ था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनों और आईटी नियम , 2021(इंटरमीडिअरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) के तहत बनाए गए 'कोड ऑफ एथिक्स' का सख्ती से पालन करना होगा। यदि कोई प्लेटफॉर्म इन नियमों का उल्लंघन करता है तो इन कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी, यहां तक कि जेल की रोटी भी तोड़नी पड़ सकती हैं (1) महिला अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986 भारतीय न्याय संहिता, 2023 (2) बाल यौन शोषण से सुरक्षा (पॉकसो) अधिनियम (3) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 ड्रग्स और साइकोट्रॉपिक पदार्थों के प्रचार पर रोक (4) ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को नशीले पदार्थों और साइकोट्रॉपिक ड्रग्स के उपयोग को बढ़ावा देने या उसे ग्लैमराइज़ करने से बचने के निर्देश दिए गए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए मुख्य डिजाइन दिशा निर्देश, (1) ड्रग्स के चित्रण पर उच्च श्रेणीकरण: यदि किसी कंटेंट में नशीले पदार्थों या खतरनाक व्यवहार को दिखाया गया है, जिससे अपराध या आत्म-हानि को बढ़ावा मिल सकता है, तो उसे सख्त आयु वर्गीकरण में रखा जाएगा। (2) ड्रग्स के उपयोग को 'ग्लैमरस' न दिखाएं: किसी भी फिल्म, वेब सीरीज़ या शो में नशीले पदार्थों के सेवनको फैशन या सामाजिक रूप से स्वीकार्य व्यवहार के रूप में प्रस्तुत करने से बचना होगा।(3) एनडीपीएस अधिनियम का पालन:ओटीटीप्लेटफॉर्म्स को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम,1985 का पालन करना होगा, जिसमें गांजा, पोस्ता और कोकीन जैसे पदार्थों के उपयोग और प्रचार पर सख्त कानूनी प्रतिबंध हैं। यदि किसी शो में इन्हें ग्लैमराइज़ किया गया, तो इसे अपराध में सहयोग माना जा सकता है और कानूनी कार्रवाई हो सकती हैहाल ही में संसदीय स्थायी समिति ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से डिजिटल मीडिया से जुड़े कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव मांगा था, ताकि नई तकनीकों और मीडियाप्लेटफॉर्म्स के विस्तार को ध्यान में रखते हुए सख्त नियम बनाए जा सके।मंत्रालय की इस एडवाइजरी से यह साफ हो गया है कि अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर दिखाई जाने वाली सामग्री पर सरकार की पैनी नजर रहेगी।

साथियों बात अगर हम श्रद्धालु महिलाओं द्वारा डुबकी लगाते समय सीक्रेट कैमरा से उनकी निजता का हनन की करें तो, उप्र पुलिस ने प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान कर रहीं महिला तीर्थ यात्रियों के आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में दो सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस के एक बयान के अनुसार, सोशल मीडिया निगरानी टीम ने पाया कि कुछ सोशल मीडिया मंच पर कुंभ मेले में महिलाओं के स्नान और कपड़े बदलने के वीडियो अपलोड कर रहे थे, जो उनकी निजता और गरिमा का स्पष्ट उल्लंघन है, इसके बाद कोतवाली कुंभ मेला थाने में मामले दर्ज किए गए और कानूनी कार्यवाई शुरू की गई।मीडिया में आई जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और टेलीग्राम चैनल्स पर महिलाओं के नहाने और कपड़े बदलने की अश्लील तस्वीरें और वीडियो वायरल के मामले में पुलिस कर रही कार्रवाई। डीआईजी महाकुंभ ने एक मीडिया चैनल से कहा, कुछ सोशल मीडिया प्रोफाइल्स और ग्रुप पर अवैध तरीके के कृत्य किया जा रहे हैं, यह आपराधिक प्रकरण है और सभी लोगों को चिन्हित कर एफआईआर की जा रही है। इस मामले में सीरियस ऑफेंस में आईटी एक्ट और बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया जा रहा है और उसमें गिरफ्तारी भी जाएगी, इसमें बेचने वाले और खरीदने वाले दोनों की गिरफ्तारी की जाएगी, ऐसे जो भी सोशल मीडिया प्रोफाइल्स आ रहे हैं उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

साथियों बात अगर हम इलाहाबादिया केस की करें तो, स्टैंडअप कॉमेडियन समय के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में इलाहाबादिया बतौर गेस्ट जज शामिल हुए थे, इस कार्यक्रम में उन्होंने एक कंटेस्टेंट से उसके पेरेंट्स की सेक्स लाइफ पर विवादित सवाल पूछ डाला था। इनके भद्दे सवाल का क्लिप देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसे देखने के बाद लोगों का उनपर गुस्सा फूट पड़ा। कई बड़े-बड़े क्रिएटर्स ने उनकी आलोचना की है, उनके पॉडकास्ट के इनवाइट को कुछ सेलेब्स ने कैंसिल भी किया था। समय के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में माता-पिता पर अश्लील टिप्पणी के मामले में इलाहाबादिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। vइलाहाबादिया ने अलग-अलग राज्यों में खुद पर हुईं एफआईआर रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर मंगलवार (18 फरवरी) को सुनवाई हुई। सुनवाई को दौरान सर्वोच्च अदालत ने इलाहाबादिया को जमकर फटकार लगाई।जस्टिस की दो सदस्यीय पीठ ने इंडिया गॉट लेटेंट शो करने पर पाबंदी लगाने के साथ रणवीर इलाहाबादिया का पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को आदेश दिया है कि वो बिना उनकी इजाजत लिए देश से बाहर नहीं जा सकते हैं। रणवीर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर महाराष्ट्र और असम में दर्ज एफआईआर को जोड़ने और गिरफ्तारी से संरक्षण दिए जाने की मांग की थी। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने 10 बड़ी टिप्पणियां कीं थी। गुवाहाटी पुलिस ने सोमवार,10 फरवरी को कुछ यूट्यूबर्स और सोशल इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आशीष चंचलानी, जसप्रीत सिंह, अपूर्व मखीजा, रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना और अन्य लोगों का नाम शामिल था, इन लोगों पर 'इंडियाज गॉट लेटेंट' नाम के शो में अश्लीलता को बढ़ावा देने और यौन रूप से स्पष्ट और अश्लील चर्चा में शामिल होने का आरोप है। दरअसल, गुवाहाटी क्राइम ब्रांच ने साइबर पीएस केस नंबर 03/2025 के तहत बीएनएस 2023 की धारा 79/95/ 294/ 296 के साथ-साथ आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट, 2000 की धारा 67, सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952 की धारा 4/7 और महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 4/6 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में जांच पड़ताल अभी चल रही है।

साथियों बात अगर हम एक व्यक्ति द्वारा अनेकों व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर एडमिन बनकर संचालन करने की करें तो, आजकल हर सिटी मोहल्ले में कोई ना कोई एक व्यक्ति व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर सम्मानित व दागी व्यक्तियों को उस ग्रुप में ऐड करता है,फ़िर कुछ सम्मानित पढ़े लिखे व बुद्धिजीवी वर्ग, मीडिया वर्ग को भी ऐड किया जाता है, परंतु मीडिया पर्सन उस ग्रुप की पूरी कार्रवाई पर नज़र रहता है, कोई गलत पोस्ट या गलत भाषा होती है तो उसकी खोजी नजर उसपर पड़ती है, तो वह उसपर आपत्ति लेता है,इसी चक्कर में स्वयं मुझे भी केकेटी नाम के खैराती एडमिन होने के नाते से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया के प्रभारी यांने मुझको भी रिमूव कर दिया गया था,कि पोलपट्टी पर निगरानी नहीं हो परंतु कानून के लंबे हाथ उस ग्रुप तक भी पहुंचने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सूचना प्रसारण मंत्रालय ने की नई एडवाइजरी जारी-सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ध्यान दें- नियम तोड़े तो खानी पड़ सकती है जेल की रोटी !सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ग्रुप बनाने का प्रचलन बड़ा - चार कानूनों के अंतर्गत सख़्ती से कार्रवाई ज़रूरी।सीक्रेट कैमरे से श्रद्धालु महिलाओं की निजता का हनन- इलाहाबादिया, व्हाट्सएप, फेसबुक पर अभद्र कंटेंट की संभावना का संज्ञान लेकर सख़्त कार्रवाई ज़रूरी हैं।

टेस्ला के आने से पहले EV नीति में हो सकता है बड़ा बदलाव, केवल 15% रह जाएगी ईवी इम्पोर्ट ड्यूटी

परिवहन विशेष न्यूज

टेस्ला की एंट्री से पहले भारत सरकार अपनी इलेक्ट्रिक वाहन नीति (EV Policy) में बड़ा बदलाव कर सकती है। इससे टेस्ला जैसी ग्लोबल कंपनी के लिए भारत में इलेक्ट्रिक कारों को बेचना आसान हो सकता है। नई EV नीति के तहत, कार निर्माताओं को दूसरे साल में ही 2,500 करोड़ रुपये का टर्नओवर दिखाना होगा। पहले बनाए गए ड्राफ्ट में चौथे साल तक 5,000 करोड़ रुपये और 5वें साल तक 7,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था।

नई नीति के तहत, कम से कम 4,150 करोड़ रुपये (500 मिलियन डॉलर) के शुरुआती निवेश पर, इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 15% का रियायती आयात शुल्क लागू होगा। वहीं, निवेश के पहले 5 सालों में 10,500 करोड़ रुपये का रेवेन्यू लाना जरूरी होगा। इसके अलावा, यह निवेश जमीन केवल खरीदने या बिल्डिंग बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। हालांकि, 5% निवेश चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

कब लागू होगी नई नीति

भारी उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के साथ मिलकर इस नीति पर अंतिम चर्चा कर रहा है। उम्मीद है कि मार्च के मध्य तक नई नीति की आधिकारिक घोषणा हो जाएगी और अगस्त तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इससे Tesla जैसी कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (Electric Vehicles) का आयात शुरू कर सकेंगी।

EV पॉलिसी में क्या हो सकते हैं बदलाव

नई ईवी नीति के तहत महंगी गाड़ियों को इम्पोर्ट ड्यूटी से राहत दी जा सकती है। विदेशी कंपनी को भारत में कम से कम 500 मिलियन डॉलर का निवेश कर मैन्युफैक्चरिंग शुरू करना होगा। 35,000 डॉलर से अधिक कीमत की इलेक्ट्रिक गाड़ियों के आयात पर केवल 15% की रियायती कस्टम ड्यूटी ली जाएगी। ये रियायत 5 सालों तक लागू होगी। कंपनी को तीन साल के भीतर स्थानीय निर्माण शुरू करना होगा.

पहले पांच सालों में 40,000 इलेक्ट्रिक गाड़ियां (हर साल 8,000) आयात करने की अनुमति होगी। लोकिन, तीन साल में 25% और पांच साल में 50% स्थानीय उत्पादन करना जरूरी होगा।

टेस्ला की क्या है योजना

टेस्ला के भारत में आने की चर्चा तब तेज़ हुई जब फरवरी 2024 में PM नरेंद्र मोदी ने एलन मस्क से मुलाकात की. मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनकी एलन मस्क से वाशिंगटन DC में बहुत अच्छी बातचीत हुई और उनके बीच स्पेस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर

चर्चा हुई। इसके बाद, 18 फरवरी को Tesla ने भारत में नौकरी के लिए 13 वैकेंसी निकालीं, जिनमें दिल्ली और मुंबई में सेल्स व सर्विस की नौकरियां शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, Tesla 2025 के दूसरे छमाही में भारत में अपने पहले शोरूम को दिल्ली के एयरोसिटी और मुंबई के BKC में खोल सकती है। खबरें ये भी हैं कि टेस्ला Model Y को सबसे पहले लॉन्च किया जाएगा। Tesla ने पहले भी कुछ कारों को टेस्टिंग के लिए भारत लाने की कोशिश की थी, लेकिन हाई टैक्स के कारण ये योजना आगे नहीं बढ़ी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत में हाई इम्पोर्ट ड्यूटी को लेकर नाराजगी जताई थी।

1 फरवरी 2025 को पेश किए गए बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 40,000 डॉलर से अधिक कीमत की गाड़ियों पर इंपोर्ट ड्यूटी को 125% से घटाकर 70% कर दिया, लेकिन कुल टैक्स अभी भी 110% है। EV नीति के अनुसार, इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर आयात शुल्क 15% किया जाएगा, लेकिन ये केवल उन्हीं गाड़ियों के लिए होगा जो भारत में असेंबल की जाएंगी।

मैन्युफैक्चरिंग पर नहीं बनी बात?

टेस्ला शुरूआत से ही भारत में कारों की मैन्युफैचरिंग शुरू करने के पक्ष में नहीं है। कंपनी भारत में कारों को इम्पेर्ट करके बेचेना चाहती है। हालांकि, भारत की ईवी नीति किसी भी मैन्युफैक्चरर को केवल इम्पोर्ट की हुई कारें बेचने की अनुमति नहीं देता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, Tesla की कारें जर्मनी के बर्लिन प्लांट से सीधे भारत में आयात की जाएंगी। ट्रंप ने इस बारे में कहा है कि अगर टेस्ला भारत में फैक्ट्री लगाए तो ठीक है, लेकिन ये अमेरिका के हित के लिए सही नहीं है। अब देखना है कि भार सरकार अपनी EV नीति में क्या बदलाव करती है।

भारत में जल्द लॉन्च हो सकती है टेस्ला की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2!

परिवहन विशेष न्यूज

टेस्ला अपनी अब तक की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार Model 2 लॉन्च करने की तैयारी में है। अमेरिका की इस इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के तुरंत बाद भारत में अपनी आने की योजनाओं को फिर से शुरू कर दिया।

टेस्ला अपनी अब तक की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार Model 2 लॉन्च करने की तैयारी में है। अमेरिका की इस इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के तुरंत बाद भारत में अपनी आने की योजनाओं को फिर से शुरू कर दिया। इस मुलाकात के बाद टेस्ला ने भारत में कई पदों के लिए भर्ती के विज्ञापन भी निकाले, जिससे कंपनी की भारत में एंट्री को लेकर अटकलें तेज हो गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह इलेक्ट्रिक कार करीब 21 लाख रुपये में लॉन्च हो सकती है, जो अब तक की सबसे सस्ती टेस्ला कार होगी।

भारत में Model 2 लॉन्च होने की संभावना

टेस्ला के भारत आने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं, और एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी भारत के लिए एक किफायती इलेक्ट्रिक कार लाने की योजना बना रही है। पहले की रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्ला की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार के बर्लिन गीगाफैक्ट्री में बनाई जाने की बात सामने आ रही थी। हालांकि, तब से स्थितियां काफी बदल गई हैं।

मार्च 2024 में, भारत सरकार ने EV नीति में बदलाव किया ताकि विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करें। 2025 के यूनियन बजट में भी सरकार ने ऐसे कदम उठाए, जिससे टेस्ला जैसी कंपनियों को आकर्षित किया जा सके।

हाल ही में, सरकार ने ईवी पर इंपोर्ट ड्यूटी 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत कर दी, जिससे टेस्ला जैसी विदेशी कंपनियों के लिए भारत में व्यापार करना आसान हो सके। इसी के चलते अब ऐसा माना जा रहा है कि टेस्ला Model 2, जिसकी अनुमानित कीमत 25,000 डॉलर (करीब 21 लाख रुपये) होगी, जल्द ही भारत में लॉन्च हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में टेस्ला भारत में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री शुरू कर सकती है।

क्या टेस्ला 25,000 डॉलर ईवी प्रोजेक्ट फिर से शुरू करेगी?

कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, टेस्ला Model 3 और Model Y जैसी कारों के साथ भारत में एंट्री कर सकती है। हालांकि, सवाल यह भी उठ रहा है कि कंपनी अपनी सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की योजना पर दोबारा काम शुरू करेगी या नहीं। वर्तमान में, Model 3 की कीमत जर्मनी में लगभग 36 लाख रुपये है, और भारत में इसे इंपोर्ट करने पर इसकी कीमत और बढ़ जाएगी।

टेस्ला कई सालों से भारत में आने की योजना बना रही थी, लेकिन उच्च इंपोर्ट ड्यूटी इसकी सबसे बड़ी बाधा थी। 2024 में, सरकार ने EV नीति में बदलाव किया, जिसके तहत अगर कोई ऑटोमोबाइल कंपनी भारत में कम से कम 500 मिलियन डॉलर का निवेश करके स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाती है, तो उसे 5 साल तक सिर्फ 15 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी देनी होगी।

अगर टेस्ला इस नियम का पालन करती है, तो उसे Model 3, Model Y, Model X, Model S और Cybertruck जैसे अपने मौजूदा मॉडल को भारत में 15% कस्टम ड्यूटी के साथ लाने का फायदा मिल सकता है।

भारत में EV मार्केट और टेस्ला की संभावनाएं

भारत का इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट लगभग 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। हालांकि यह चीन की तुलना में अभी भी छोटा है, लेकिन टेस्ला के लिए यह एक बड़ी अवसर वाली मार्केट साबित हो सकती है, खासकर जब अमेरिका में कंपनी की बिक्री धीमी हो रही है।

भारत और अमेरिका 2025 तक आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। दोनों देशों के बीच औद्योगिक वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की रणनीति के तहत, टेस्ला की भारत में एंट्री एक सही कदम हो सकता है।

Tesla Model 2: Model Y का ही नया वर्जन?

पहले जिसे Model 2 या Project Redwood कहा जा रहा था, वह अब Model Y का एक टोंड-डाउन वर्जन माना जा रहा है। CEO एलन मस्क पहले ही कई इन्वेस्टर कॉल में पुष्टि कर चुके हैं कि कंपनी 2025 तक एक नई, सस्ती इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करेगी।

मस्क ने बताया कि यह Model Y का एक छोटा और किफायती वर्जन होगा। इसमें 54 kWh की बैटरी हो सकती है और यह 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम होगी।

Tesla Model 2 भारत में किसे देगा टक्कर?

अगर Tesla Model 2 भारत में लॉन्च होता है, तो इसका मुकाबला कुछ प्रमुख इलेक्ट्रिक कारों से होगा, जिनमें शामिल हैं:

Mahindra XEV 9e
Mahindra BE 6
BYD Atto 3
Tata Curvv EV
Hyundai Creta Electric
MG ZS EV

इन सबके बीच टेस्ला की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार भारतीय ग्राहकों के लिए एक बड़ा आकर्षण हो सकती है।

नई मारुति ब्रेजा हुई लॉन्च, अब हर वेरिएंट में मिलेगा यह खास सेफ्टी फीचर, नेक्सॉन से होगी टक्कर

परिवहन विशेष न्यूज

मौजूदा समय में मारुति ब्रेजा को चार वैरिएंट्स, LXi, VXi, ZXi और ZXi Plus में बेचा जा रहा है। नया अपडेट कार के पेट्रोल मॉडल्स से साथ-साथ सीएनजी मॉडल्स पर भी लागू होगा।

मारुति ने अपनी बेस्ट सेलिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को अपडेटेड सेफ्टी फीचर के साथ लॉन्च कर दिया है। अब ब्रेजा के बेस मॉडल से लेकर टॉप मॉडल तक सभी वेरिएंट में 6 एयरबैग स्टैंडर्ड तौर पर दिए जाएंगे। पहले ब्रेजा के एंट्री लेवल मॉडल्स में केवल दो एयरबैग मिलते थे। अपडेट के साथ मारुति ब्रेजा की कीमत में भी इजाफा कर दिया गया है।

मौजूदा समय में मारुति ब्रेजा को चार वैरिएंट्स, LXi, VXi, ZXi और ZXi Plus में बेचा जा रहा है। नया अपडेट कार के पेट्रोल मॉडल्स से साथ-साथ सीएनजी मॉडल्स पर भी लागू होगा।

Brezza में मिलते हैं कई सेफ्टी फीचर्स

मारुति ब्रेजा में 6 एयरबैग के अलावा, तीन-पॉइंट सीट बेल्ट, आईएसओफिक्स माउंट, रियर पार्किंग सेंसर, 360-डिग्री कैमरा, हिल होल्ड असिस्ट, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम और इम्पैक्ट सेंसिग डोर अनलॉक जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

Maruti Brezza का इंजन

मारुति ब्रेजा कॉम्पैक्ट एसयूवी में 1.5-लीटर नैचुरली एस्पीरेटेड K15C पेट्रोल इंजन मिलता है। यह इंजन 101.64 bhp की अधिकतम पावर और 136.8 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। एसयूवी में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। यह एसयूवी फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट में मैनुअल गियर बॉक्स के साथ भी आती है।

इन कारों से होगा मुकाबला

भारत में मारुति ब्रेजा का सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन से होता है। हालांकि, सेफ्टी के मामले में मारुति ब्रेजा अब भी नेक्सन से एक कदम पीछे है। बताते चलें कि टाटा नेक्सन 5-स्टार GNCAP और 5-स्टार BNCAP क्रैश टेस्ट रेटिंग के साथ आती है, जबकि मारुति ब्रेजा 4-स्टार GNCAP सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। नेक्सन के अलावा, ब्रेजा का मुकाबला Kia Sonet, Mahindra XUV 3XO और Hyundai Venue जैसी कारों से है।

विंटेज कार रैली में दिखी राजा-महाराजा के दौर की अनोखी गाड़ियां, सड़कों पर दौड़ी तो लोग बोले वाह

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली में आज Vintage Car Rally Delhi 2025 का आयोजन किया गया। इस दौरान कई अनोखी गाड़ियां देखने के लिए मिली। इस रैली में रेंज रोवर मर्सिडीज बेंटली फोर्ड MG और कई और ब्रांड्स की विंटेज कारें दिखाई दी। इसके साथ ही कई विंटेज मोटरसाइकिल और स्कूटर भी देखने के लिए मिलें। इस रैली का नाम 21 गन सेल्यूट कॉन्कोर्स डे एलीगेंस है।

नई दिल्ली। विंटेज और क्लासिक कारों का शौक केवल कुछ खास वर्ग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरी दुनिया में एक जुनून बन चुका है। भारत में भी इनकी जबरदस्त चाहत है। 21 फरवरी 2025 को दिल्ली में विंटेज कारों की एक बड़ी रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नाम है "21 गन सेल्यूट कॉन्कोर्स डे एलिगेंस," जो कि 21 से 23 फरवरी तक आयोजित हो रही है। इसकी शुरुआत केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विंटेज और क्लासिक कारों की इस भव्य रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विंटेज कार रैली का आयोजन

यह रैली न केवल दिल्ली, बल्कि भारत और पूरी दुनिया के मोटरिंग शौकीनों के लिए एक खास मौका होगा। इस आयोजन में 125 से ज्यादा विंटेज और क्लासिक कारें प्रदर्शित की जाएंगी। इन मोटरसाइकिलों में कुछ ऐसे मॉडल्स शामिल होंगे जो सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में महज कुछ ही मॉडल है। इसका उद्देश्य भारतीय और वैश्विक मोटरिंग धरोहर को सम्मानित करना है।

प्रदर्शित हुई ऐतिहासिक और अनोखी कारें

इस आयोजन में प्रदर्शित की जाने वाली कारों में रेंज रोवर, मर्सिडीज, बेंटली, फोर्ड, MG और कई और ब्रांड्स की विंटेज कारें शामिल हुई। इन कारों का हर एक हिस्सा, हर एक डिजाइन, और हर एक तकनीक किसी न किसी युग की कहानी बयां करती है। यह आयोजन न केवल कार प्रेमियों के लिए, बल्कि उन लोगों के लिए भी एक अद्भुत अनुभव होगा जो मोटरिंग की इतिहास और संस्कृति में रुचि रखते हैं।

इन कार कलेक्टर ने भी लिया हिस्सा

इस आयोजन में देश-विदेश के कई प्रमुख कार कलेक्टर भाग लिया। इनमें योहान पूनावाला, विवेक गोयनका, दिलजीत टाइटस, जिम्मी टाटा, गौतम हरि सिंघानिया, हर्षपति सिंघानिया और अर्जुन ओबेरॉय जैसे नाम

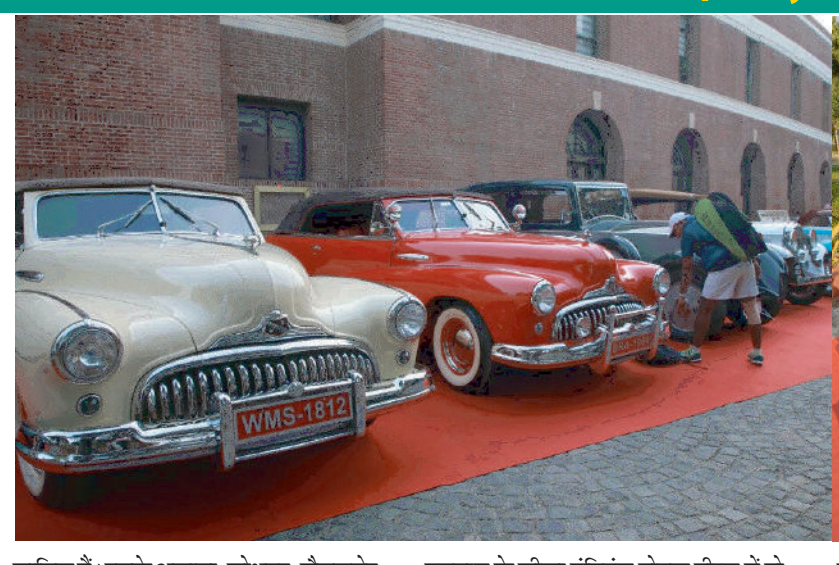

शामिल हैं। इसके अलावा, जोधपुर, जैसलमेर, राजकोट, बड़ौदा, गोंडल, मैसूर, मनसा, करौली, ग्वालियर, मोरबी, वांकानेर, कच्छ और संतरामपुर के शाही परिवारों भी अपनी बेशकीमती कारों के साथा इस आयोजन में शामिल हुए।

यहां तीन दिन तक होगा कॉन्कोर्स का आयोजन

Vintage Car Rally का आयोजन गुरुग्राम के लीला एंबिएंस गोल्फ ग्रीन्स में हो रहा है। यहां पर तीन दिवसीय कॉन्कोर्स का आयोजन किया गया है, जो 21 फरवरी से लेकर 23 फरवरी तक इन गाड़ियों का दिदार किया जा सकता है।

ऑटोमोबाइल संरक्षण की महत्वपूर्ण पहल

इस आयोजन की खास बात यह रही कि यहां न सिर्फ विंटेज कारों का जलवा देखने को मिलेगा, बल्कि ये संगीत, पारम्परिक फैशन, विशेष कला-संस्कृति, पकवान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से एक समृद्ध ऐतिहासिक उत्सव है। यह कार्यक्रम भारतीय राजसी विरासत, ऐतिहासिक मोटरिंग और आधुनिक समय की क्लासिक कारों के प्रति बढ़ते रुझान का एक शानदार संगम है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस आयोजन ने न केवल हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा दिया, बल्कि ऑटोमोबाइल संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसमें कोई डोरे नहीं की वैश्विक सहभागिता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित कर, 21 गन सेल्यूट कॉन्कोर्स डी'एलीगेंस ने भारत को दुनिया के प्रमुख विंटेज कार प्रेमियों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।

क्रैकिंग सीयुईटी: स्मार्ट तैयारी के लिए एक चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका

विजय गर्ग

परीक्षा प्रारूप को समझने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और एक संगठित अध्ययन कार्यक्रम का पालन करने से, छात्र आत्मविश्वास बढ़ाते हुए पाठ्यक्रम को कवर कर सकते हैं

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी भारी महसूस कर सकती है, खासकर जब स्कूल के काम और अन्य जिम्मेदारियों को पूरा करना। हालांकि, ने विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया को बदल दिया हैसीयुईटी और एक अच्छी तरह से संरचित तैयारी योजना आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से कवर करने में मदद कर सकती है। कुछ महीनों में एक रणनीतिक दृष्टिकोण का पालन करके, आप अपनी सफलता की संभावनाओं को काफी बढ़ा सकते हैं।

चरण 1: सीयुईटी परीक्षा संरचना को समझें

तैयारी में गोता लगाने से पहले, परीक्षा प्रारूप से खुद को परिचित करें। सीयुईटी में आमतौर पर भाषा, डोमेन-विशिष्ट विषय और एक सामान्य परीक्षा होती है। प्रत्येक अनुभाग के लिए आधिकारिक पाठ्यक्रम प्राप्त करना और इसकी पूरी समीक्षा करना आवश्यक है। बहुविकल्पीय और लघु-उत्तर प्रारूप सहित प्रश्नों के प्रकारों को समझना महत्वपूर्ण है। अंकन योजना, विशेष रूप से किसी भी नकारात्मक अंकन के प्रति सचेत रहें।

चरण 2: अपने तत्परता का आकलन करें: अपने वर्तमान ज्ञान और तैयारियों का मूल्यांकन करके शुरू करें। अपने आप से पूछें कि क्या आपने सभी वर्गों के लिए पाठ्यक्रम को कवर किया है, आप 1 से 5 के पैमाने पर अच्छी तरह से स्कोर करने के बारे में कितना आत्मविश्वास महसूस करते हैं, और आपको कौन सा अनुभाग सबसे चुनौतीपूर्ण लगता है।

चरण 3: स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें अपने पसंदीदा विश्वविद्यालय और पाठ्यक्रम के आधार पर अपने उद्देश्यों को परिभाषित करें। दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों के लिए सीयुईटी स्कोर आवश्यकताओं पर शोध करें। एक स्पष्ट लक्ष्य होने से आप अपनी तैयारी यात्रा के दौरान प्रेरित और केंद्रित रहेंगे।

चरण 4: अपने आत्म-मूल्यांकन से अंतर्दृष्टि का उपयोग करके अध्ययन समय आवंटित करें, एक संतुलित अध्ययन योजना बनाएं। यदि आप कुछ विषयों में मजबूत हैं, तो उन पर कम समय बिताएं लेकिन नियमित संशोधन पर ध्यान दें। अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने और अभ्यास प्रश्नों को हल करने के लिए कमजोर विषयों को अधिक समय समर्पित करें। उदाहरण के लिए, यदि सामान्य परीक्षण विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है, तो भाषा या डोमेन-विशिष्ट विषयों पर एक घंटे बिताते समय इस अनुभाग में प्रतिदिन 1.5-2 घंटे आवंटित करें।

चरण 5: साप्ताहिक अध्ययन अनुसूची एक अच्छी तरह से संरचित समय सारिणी स्थिरता सुनिश्चित करती है। एक व्यावहारिक दृष्टिकोण

सोमवार से शुक्रवार तक प्रति दिन एक प्रमुख विषय पर ध्यान केंद्रित करना है। शनिवार को मॉक टेस्ट लेने और प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए समर्पित किया जा सकता है, जबकि रविवार को सप्ताह की प्रगति की समीक्षा करने, कठिन विषयों को संशोधित करने और आराम करने और रिचार्ज करने के लिए समय निकालने के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए। दिन को अध्ययन, अभ्यास और विश्राम स्लॉट में विभाजित करके समय-अवरुद्ध तकनीकों का उपयोग करना अत्यधिक प्रभावी हो सकता है।

चरण 6: गुणवत्ता अध्ययन सामग्री पर संबंधित सही अध्ययन संसाधन आवश्यक है। एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें वैचारिक स्पष्टता प्रदान करती हैं, जबकि सीयुईटी - विशिष्ट गाइड और संदर्भ पुस्तकें लक्षित तैयारी प्रदान करती हैं। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जो मॉक टेस्ट और वीडियो लेक्चर प्रदान करते हैं, वे मूल्यवान संसाधन हो सकते हैं। पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों के साथ अभ्यास करने से महत्वपूर्ण विषयों की पहचान करने और प्रश्न रुझानों को समझने में मदद मिलती है।

चरण 7: नियमित मॉक टेस्ट मॉक टेस्ट सीयुईटी तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रति सप्ताह कम से कम एक पूर्ण लंबाई की परीक्षा लेने का लक्ष्य रखें और परीक्षा के दृष्टिकोण के अनुसार आवृत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाएं।

चरण 8: परीक्षा रसद चूंकि सीयुईटी एक कंप्यूटर-आधारित परीक्षण है, तकनीकी आवश्यकताओं से खुद को परिचित करना आवश्यक है। एक कैलेंडर पर महत्वपूर्ण तिथियों को चिह्नित करने से अंतिम मिनट के आश्चर्य से बचने में मदद मिलेगी।

चरण 9: एक संतुलन बनाए रखें

प्रभावी तैयारी के लिए बर्नआउट से बचना महत्वपूर्ण है। अपने अध्ययन की दिनचर्या में छोटे ब्रेक को शामिल करें और ताज़ा रहने के लिए व्यायाम या ध्यान जैसी गतिविधियों में संलग्न हों। यह सुनिश्चित करना कि आपको रोजाना सात से आठ घंटे की नींद मिले, फोकस और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

चरण 10: सकारात्मक रहें

निरंतरता सीयुईटी में सफलता प्राप्त करने की कुंजी है। परिवर्तनों के अनुकूल रहने के दौरान अपनी अध्ययन योजना से चिपके रहना फायदेमंद होगा।

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट

राख में छुपी है जीवाणुओं को मारने की शक्ति

विजय गर्ग

भस्म अर्थात राख के चिकित्सीय गुणधर्म और वैज्ञानिकता को नई मान्यता मिली है । राख के कई तरह के इस्तेमाल होते हैं। राख का इस्तेमाल खदानों के पुनरुद्धार, मिट्टी सुधार, बर्तन साफ करने, कीटनाशक और साबुन बनाने में किया जाता है। राख में शरीर के अंदर मौजूद दुषित द्रव्य को सोख लेने की क्षमता होती है। राख से कई तरह के चर्म रोग भी खत्म हो जाते हैं। राख को घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। राख को घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के भौतिकी विभाग के शोध में पता चला है कि राख की क्षारीय प्रकृति स्टैफिलोकोकस आरियस और ईकोलाई जैसे पेट और हड्डी में संक्रमण फैलाने वाले जीवाणुओं को रोक सकती है।

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा और शोधार्थी अभिषेक शर्मा का शौध दक्षिण कोरिया के एडवांसेस इन नैनो रिसर्च और भारतीय अंतरराष्ट्रीय जर्नल नैनो मैटेरियल्स में प्रकाशित किया गया है। दोनों देशों में शोध को पेटेंट भी मिला है। इससे जलजनित बीमारियों के नियंत्रण की राह खुलेगी।

गन्ने की खोई की राख सर्वाधिक प्रभावी : दक्षिण कोरिया और भारत में 25 पीएचडी- मास्टर प्रोजेक्ट के आब्जर्वर रह चुके प्रोफेसर शर्मा के शोध में पुष्ट हुआ है कि कृषि या खाद्य अपशिष्ट जैसे चावल की भूसी, गन्ने की खोई और खट्टे फलों के छिलकों से बनी राख में जीवाणुरोधी गुण होते हैं। शोध में किसी रसायन का प्रयोग नहीं किया गया। तीन तरह के पदार्थों की राख में सर्वाधिक प्रभावकारी गन्ने की खोई की राख साबित हुई है। राख को सामान्य मनुष्य के शरीर के तापमान यानी 37 डिग्री पर बैक्टेरिया के साथ रखने से छह घंटे में सभी बैक्टीरिया निष्क्रिय हो गए।

वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार राख से स्टैफिलोकोकस आरियस नामक बैक्टीरिया का संक्रमण रोकने में 85 और ईकोलाई बैक्टीरिया रोकने में 78 प्रतिशत सफलता मिली। इससे जलजनित बीमारियों में संभावित कमी आ सकती है। राख में पाए 60 प्रतिशत सिलिका, 15 प्रतिशत कैल्शियम आक्साइड और 10 प्रतिशत पोटैशियम होता है। नैनोमैटेरियल के रूप में राख के प्रयोग से बैक्टीरिया रोका जा सकता है।

कहानी: अबोध

विजय गर्ग

माधव कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, 50 साल की उम्र. सफेद दाढ़ी. उस पर भी बीमारी के बाद की कमजोर हालत. यह सब देख कर घर के लोगों ने माधव को बेटी की शादी कर देने की सलाह दे दी.

माधव कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, 50 साल की उम्र. सफेद दाढ़ी. उस पर भी बीमारी के बाद की कमजोर हालत. यह सब देख कर घर के लोगों ने माधव को बेटी की शादी कर देने की सलाह दे दी. कहते थे कि अपने जीतेजी लड़की की शादी कर जाओ.

माधव ने अपने छोटे भाई से कह कर अपनी लड़की के लिए एक लड़का दिखवा लिया.

माधव की लड़की गौरा 15 साल की थी. दिनभर एक छोटी सी फ्रौक पहने सहेलियों के साथ घूमती रहती, गोटी खेलती, गांव के बाहर लगे आम के पेड़ पर चढ़ कर गिल्ली फेंकने का खेल भी खेलती.

जैसे ही गौरा की शादी के लिए लड़का मिला, वैसे ही उस का घर से निकलना कम कर दिया गया.

अब गौरा घर पर ही रहती थी. महल्ले की लड़कियां उस के पास आती तो थीं, लेकिन पहले जैसा माहौल नहीं था. गौरा की शादी की खबर जब उन लड़कियों को लगी, तो गौरा को देखने का उन का नजरिया ही बदल गया था. माधव ने फटाफट गौरा की शादी उस लड़के से तय कर दी. माधव की माली हालत तो ठीक नहीं थी, लेकिन जितना भी कर सकते थे, करने में लग गए.

शादी की तारीख आई. लड़के वाले बरात ले कर माधव के घर आ गए. लड़का गौरा से बड़ा था. वह 20-22 साल का था. गौरा को इन बातों से ज्यादा मतलब तो नहीं था, लेकिन इस वक्त उसे अपना घर छोड़ कर जाना कतई अच्छा नहीं

लग रहा था. शादी के बाद गौरा अपनी ससुराल चली गई, लेकिन रोते हुए. गौरा की शादी के कुछ दिन बाद ही माधव की बीमारी ठीक होने लगी, फिर कुछ ही दिनों में वे पूरी तरह से ठीक भी हो गए, मानो उस मासूम गौरा की शादी करने के लिए ही वे बीमार पड़े थे उधर गौरा ससुराल पहुंची तो देखा कि वहां घर जैसा कुछ भी नहीं था. न साथ खेलने के लिए सहेलियां थीं और न ही अपने घर जैसा प्यार करने वाला कोई. गौरा की सास दिनभर मुंह ऐंठे रहती थीं. ऐसे देखतीं कि गौरा को बिना अपराध किए ही अपराधी होने का अहसास होने लगता.

जिस दिन गौरा अपने घर से विदा हो कर ससुराल पहुंची, उस के दूसरे दिन से ही उस से घर के सारे काम कराए जाने लगे. गौरा को चाय बनाना तो आता था, लेकिन सब्जी छोंकना, गोलगोल रोटी बनाना नहीं आता था. जब ये बातें उस की सास को पता चलीं, तो वे गौरा को खरीखोटी सुनाने लगीं, ''बहू, तेरी मां ने तुझे कुछ नहीं सिखाया. न तो दहेज दिया और न ही ढंग की लड़की. कम से कम लड़की ही ऐसी होती कि खाना तो बना लेती''

गौरा चुपचाप सास की खरीखोटी सुनती रहती और जब भी अकेली होती, तो घर और मां की याद कर के खूब रोती. दिनभर घर के कामों में लगे रहना और सास भी जानबूझ कर उस से ज्यादा काम कराती थीं. बेचारी गौरा, जो सास कहतीं, वही करती. शाम को पति के हाथों का खिलौना बन जाती. वह तो ठीक से दो मीठी बातें भी उस से नहीं करता था. दिनभर यारदोस्तों के साथ घूमता और रात तेही घर में आता, खाना खाता और गौरा को बेहाल कर चैन से सो जाता.

एक दिन गौरा का बहुत मन हुआ कि घर जा कर अपने मांबाप से मिल ले. मां से तो लिपट कर रोने का मन करता था. मौका देख कर गौरा अपनी सास से बोली, ''माताजी, मैं अपने घर जाना चाहती हूं. मुझे घर की याद आती है.'' सास तेज आवाज में बोलीं, ''घर जाएगी तो यहां क्या जंगल में रह रही है? यहां कौन सा तुझ पर आरा चल रहा है' घर के बच्चों से ज्यादा तेरी खातिर होती है यहां, फिर भी तू इसे अपना घर नहीं समझती.''

गौरा घबरा कर रह गई, लेकिन घर की याद अब और ज्यादा आ रही थी. दिन यों ही गुजर रहे थे कि एक दिन माधव गौरा की ससुराल आ पहुंचे. अपने पिता को देख गौरा जी उठी थी. भरे घर में अपने पिता से लिपट गई और खूब सिसकसिसक कर रोई.

माधव का दिल भी पत्थर से मोम हो गया. वे खुद रोए तो नहीं, लेकिन आंखें कई बार भीग गईं. उसी दिन शाम को वे गौरा को अपने साथ ले आए.

घर आ कर गौरा फिर उसी मनभावन तिलिस्म में खो गई. वही गलियां, वही रास्ता, वैसे ही घर, वही आबोहवा, वैसी ही खुशबू. इतने में मां सामने आ गईं. गौरा की हिचकी बंध गई, दोनों मांबेटी लिपट कर खूब रोईं.

घर में आई गौरा ने मां को ससुराल की सारी हालत बता दी और बोली, ''मां, मैं वहां नहीं जाना चाहती. मुझे अब तेरे ही पास रहना है.''

मां गौरा को समझाते हुए बोलीं, ''बेटी, अब तेरी शादी हो चुकी है. तेरा घर अब वही है. हम चाह कर भी तुझे इस घर में नहीं रख सकते.

''हर लड़की को एक न एक दिन अपनी ससुराल जाना ही होता है. मैं इस घर आई और तू उस घर में गई. इसी तरह अगर तेरी लड़की हुई, तो वह भी किसी और के घर जाएगी. इस तरह तो कोई हमेशा अपने घर नहीं रुक सकता.''

गौरा चुप हो गई. मां से अब और क्या कहती.

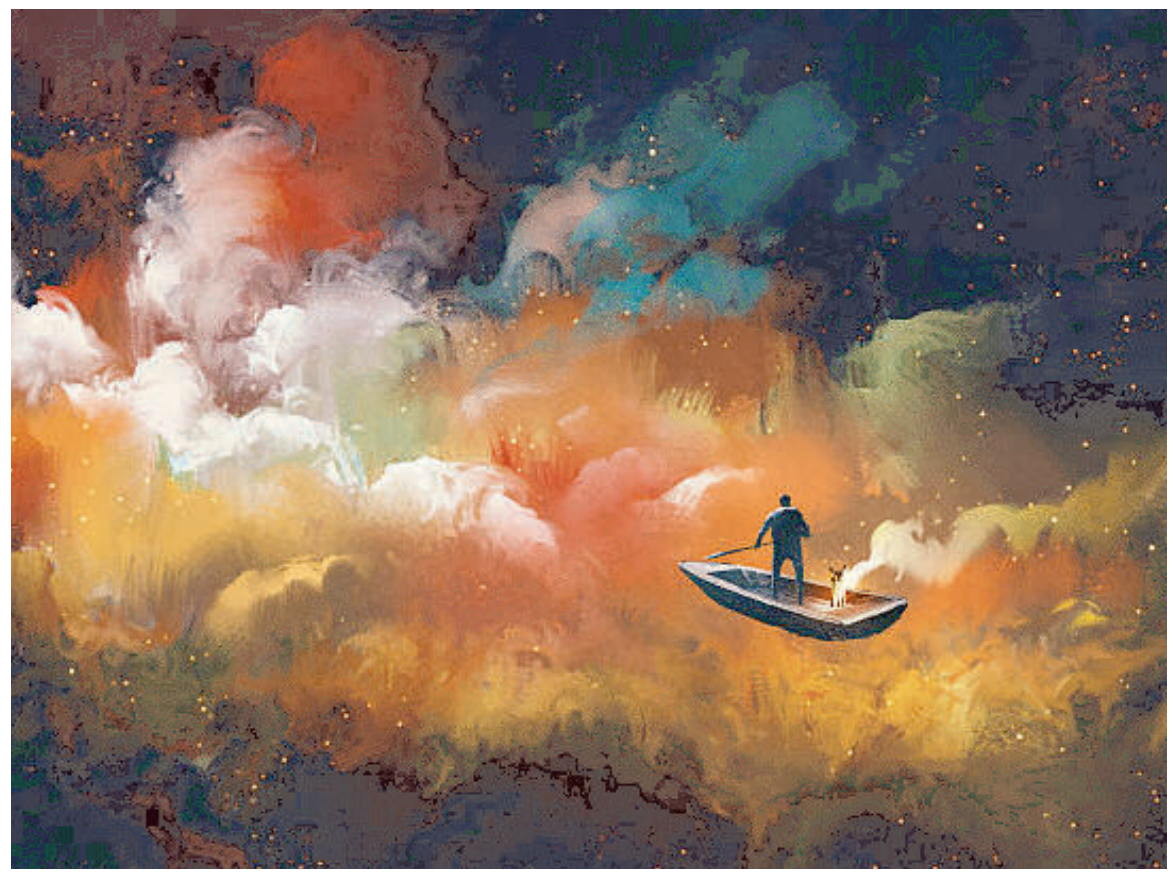

जो सास कहती थीं, वही मां भी कहती हैं.

रात को गौरा नींद भर सोई, दूसरी सुबह उठी तो साथ की लड़कियां घर आ पहुंचीं. अभी तक सब की सब कुंआरी थीं, जबकि गौरा शादीशुदा थी. वे सब सलवारसूट पहने घूम रहीं थीं, जबकि गौरा साड़ी पहने हुए थी.

आज गौरा सारी सहेलियों से खुद को अलग पाती थी, उन से बात करने और मिलने में उसे शर्म आती थी. मन करता था कि घर से उठ कर कहीं दूर भाग जाए, जिस से न तो ससुराल जाना पड़े और न ही किसी से शर्म आए.

सुबह के 10 बजने को थे. गौरा ने घर में रखा पुराना सलवारसूट पहना, जिसे वह शादी से पहले पहना करती थी और मां के पास जा कर बड़े प्यार से बोली, ''मां, तुम कहो तो मैं थोड़ी देर बाहर घूम आऊं?''

गौरा बोलीं, ''हां बेटी, घूम आ, लेकिन जल्दी घर आ जाना. अब तू छोटी बच्ची नहीं है.''

गौरा मुसकराते हुए घर से निकल गई. उस की नजर गांव के बाहर लगे आम के पेड़ के पास गई. मन खिल उठा. लगा, जैसे वह पेड़ उस का अपना है, कदम बरबस ही गांव से बाहर की ओर बढ़ गए.

हवा के हलके झोंके और खेतोंपेड़ों का सूनापन, चारों तरफ शांत सा माहौल और बेचैन मन, मानो फिर से लौट पड़ा हो गौरा का बचपन. हवा में पैर फेंकती सीधी आम के पेड़ के नीचे जा पहुंची.

यह वही आम का पेड़ था, जिस के ऊपर चढ़ कर गिल्ली फेंकने वाले खेल खेले जाते थे, जहां सहेलियों के साथ बचपन के सुख भरे दिन गुजारे थे. गौरा दौड़ कर आम के पेड़ से लिपट गई. उस मौन खड़े पेड़ से रोरो कर अपने दिल का हाल कह दिया. पेड़ भी जैसे उस का साथी था. उस ने गौरा के मन को बहुत तसल्ली दी थोड़ी देर तक गौरा पेड़ से लिपटी बचपन के दिनों को याद करती रही, बचपन तो अब भी था, लेकिन कोई उसे छोटी लड़की मानने को तैयार न था. सब कहते कि वह बड़ी हो गई है, लेकिन खुद गौरा और उस का दिल नहीं मानता था कि वह इतनी बड़ी हो गई है कि घर से बाहर किसी और के साथ रहने लगे. बड़ी औरतों की तरह काम करने लगे, सास की खरीखोटी सुनने लगे.

गौरा बैठी सोचती रही, मन में गुबार की आंधी चलती थी, फिर न जाने क्या सोच कर अपना दुपट्टा उतारा और आम के पेड़ पर चढ़ कर छोर को उस की डाली से कस कर बांध दिया. फिर आम के पेड़ से उतर कर दूसरा छोर अपने गले में बांध लिया. अभी तक गौरा ठीकठाक थी. खड़ीखड़ी थोड़ी देर तक वह अपने गांव को देखती रही, फिर एकदम से पैरों को हवा में उठा लिया, शरीर का सारा भार गले में पड़े दुपट्टे पर आ गया, दुपट्टा गले को कसता चला गया, आंखें बाहर निकली पड़ी थीं, मुंह लाल पड़ गया था. थोड़ी ही देर में गौरा की मौत हो गई. अब उसे ससुराल नहीं जाना था और न ही कोई परेशानी सहनी थी. कांटों पर चल रही मासूम सी जिंदगी का अंत हो गया था.

जिस बच्ची के खेलने की उम्र थी, उस उम्र में उसे न जाने क्या क्या देखना पड़ा था. उस की दिमागी हालत का अंदाजा सिर्फ वही लगा सकती थी. एक भी ऐसा शख्स नहीं था, जो उस अबोध बच्ची को समझता, लेकिन आज सब खत्म हो गया था, उस की सारी समस्याएं और उस की जिंदगी.

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कोर चांद मलोट पंजाब

हाई स्किल्ड पेशेवर तैयार करने की चुनौती

विजय गर्ग

यकीनन इस समय जहां नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई स्किल्ड पीढ़ी के लिए भारत में ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, वहीं करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करने की बड़ी चुनौती भी सामने है। खासतौर से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह चुनौती और अधिक है।

हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव आदि परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनियाभर में उद्योगों-व्यवसायों को नया रूप मिलता दिखाई देगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां भारत में नियोक्ताओं का मानना है कि सेमीकंडक्टर और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों को अपनाने से उनके परिचालन में बदलाव आएगा, वहीं क्वांटम और एनक्रिप्शन प्रौद्योगिकियों को अपनाने से भी परिचालन में परिवर्तन होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, विश्व स्तर पर एआई कौशल की मांग में तेजी आई है, जिसके क्षेत्र में भारत और अमेरिका अग्रणी नजर आते हैं। ऐसे में सबसे तेजी से बढ़ती जिन नौकरियों की भूमिकाएं होंगी, उनमें एआई, बिग डेटा, मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा प्रबंधन के विशेषज्ञ शामिल हैं। ये सभी नौकरियां वैश्विक रुझानों के साथ निकटता से जुड़ी हैं। इसी के चलते भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्किल्ड वर्कफोर्स वाले देशों में शामिल है। अगले दशक में भारत दुनिया की एक चौथाई नई हाई स्किल्ड वर्कफोर्स का हब भी बनता दिखाई दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करते हुए कहा कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाई स्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने 140 करोड़ से अधिक लोगों के लिए बहुत कम लागत पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी

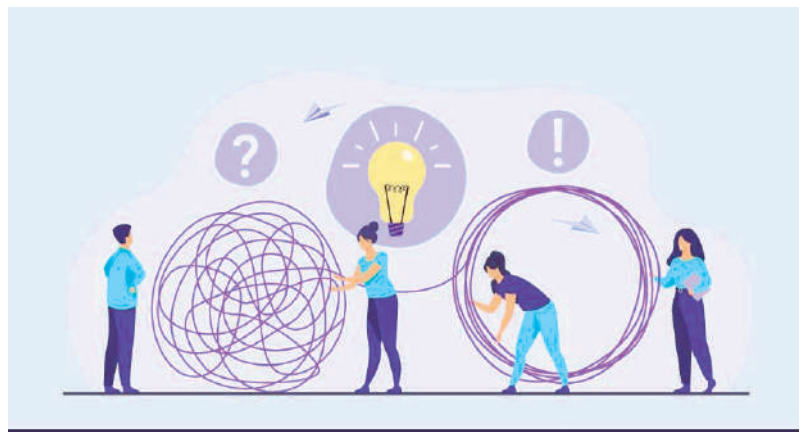

ढांचा तैयार किया है। साथ ही इंडियाएआई मिशन प्रभावी रूप से काम कर रहा है।

निःसंदेह, भारत की नई पीढ़ी डिजिटल दौर के हाई स्किल्ड कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक, भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक, भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस समय जहां प्रतिभा संपन्न हाई-स्किल्ड नई पीढ़ी देश के विकास में बड़ा योगदान दे रही है, वहीं भारत के टैलेंट की दुनिया में पहचान है। भारत के प्रोफेशनल बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल स्तर पर अभूतपूर्व योगदान रहे हैं। ये हाई स्किल्ड पीढ़ी सेवा निर्यात से विदेशी मुद्रा कमाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभर रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एआई सहित हाई स्किल्ड मैनपॉवर के आसान व किफायती रूप से उपलब्ध होने के कारण भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के साथ सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। जीसीसी जॉब मार्केट में नया चलन है। जीसीसी आईटी सपोर्ट, कस्टमर सर्विस, फाइनेंस, एचआर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करती हैं। हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की और से जारी इंडिया जीसीसी लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक, जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनता दिखाई दे रहा है।

कोई दो मत नहीं कि भारत देश -दुनिया की जरूरतों को देखते हुए अपने युवाओं की स्किल्स डेवलपमेंट व अपग्रेडेशन कर रहा है। महत्वपूर्ण यह कि इससे भारत के लिए हाई स्किल्ड सेवाओं के निर्यात की ऊंची संभावनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल एआई, आईटी, बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, पर्यटन, आतिथ्य, शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग व मनोरंजन आदि से संबंधित सर्विसेज का एक्सपोर्ट शामिल है।

उल्लेखनीय है कि हालिया केंद्रीय बजट में देश के युवाओं को हाई स्किल्ड बनाने और भारत को वैश्विक कौशल केंद्र बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। तीन नई कौशल विकास योजनाओं का ऐलान किया गया है, जिनमें एआई के लिए 8800 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। इन योजनाओं के तहत खासतौर पर एआई, आईटी, साइबर सिक्योरिटी और मशीन लर्निंग जैसी नई तकनीकों में करीब 5 लाख युवाओं को हाई-टेक ट्रेनिंग दी जाएगी। इंडिया एआई मिशन का एक मकसद एआई सहित हाई स्किल्ड मैनपॉवर के परिप्रेक्ष्य में देश-विदेश की मांग को पूरा करना है। यह मिशन भारत की युवा आबादी को देखते हुए महत्वपूर्ण है। बता दें कि यूरोप, जापान और अन्य कई विकसित और विकासशील देशों की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। ऐसे में भारत के लिए विदेशों में भी अपने हाई स्किल्ड युवाओं के लिए बड़े अवसर हैं। भारत ने हाल के वर्षों में करीब दो दर्जन देशों के साथ आव्रजन और रोजगार से जुड़े समझौते किए हैं जिनके तहत भारत जापान, इस्राइल, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, रूस, मॉरिशस, यूके, यूएई, रोमानिया और इटली जैसे देशों में अपने स्किल्ड युवा भेजे जाएंगे।

हाई स्किल्ड टेलेंट की देश-दुनिया में लगातार मांग बढ़ रही है, ऐसे में हमें देश की नई पीढ़ी को हाई-स्किल्स डेवलपमेंट की विशेषज्ञता के लिए और अधिक तेजी से प्रवृत्त करना होगा। इस हेतु नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। देश के कोने-कोने में विशेषतया ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, पायथन, वर्चुअल रियल्टी, रोबोटिक प्रोसेस, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफथिंग्स, बिग डाटा एनालिसिस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉक चेन और साइबर सुरक्षा जैसी हाई-स्किल्ड विधाओं में बड़ी संख्या में युवाओं को कुशल बनाने के कई गुना प्रयास करने होंगे। उम्मीद करें कि नीति-नियंता भारत में नई पीढ़ी को नए उच्च डिजिटल गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित कर रोजगार देने व देश की आर्थिक तस्वीर संवारने के लिए कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे

बेफ्रिक हो जाइये, 14.65 लाख तक की सैलरी पर नहीं देना होगा टैक्स

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आपकी सीटीसी सालाना 14 .65 लाख रुपये है और आप एनपीएस और ईपीएफ का लाभ उठाते हैं, तो आपकी टैक्स शून्य हो जाएगी

नई दिल्ली: 1 फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर के मोर्चे पर बड़ी राहत दी. इसके तहत नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर दिया गया है. हालांकि कुछ स्मार्ट तरीके अपनाकर आप 14.65 लाख रुपये की आय पर भी शून्य आयकर का भुगतान कर सकते हैं.

कैसे बचाएंगे पैसे ?

टैक्स2विन की गणना का हवाला देते हुए लाइवमिंट की रिपोर्ट के अनुसार, 14.65 लाख रुपये के सीटीसी वाले वेतनभोगी कर्मचारी शून्य कर का भुगतान कर सकते हैं. टैक्स2विन के सीईओ और सह-संस्थापक अभिषेक सोनी बताते हैं कि 14.65 लाख रुपये की लागत वाली कंपनी (सीटीसी) वाले वेतनभोगी कर्मचारी नई आयकर प्रणाली के तहत कैसे शून्य कर का भुगतान कर सकते हैं. उन्होंने इसे एक उदाहरण के जरिए समझाने की कोशिश की है.

उदाहरण से समझें

वार्षिक आय (सीटीसी)- 14,65,000 रुपये

मूल वेतन (सीटीसी का 50 फीसदी)- 7,32,500 रुपये

एनपीएस एंप्लॉयर कंट्रीब्यूशन (मूल का 14 फीसदी)- 1,02,550 रुपये

ईपीएफ नियोक्ता अंशदान (मूल का 12 फीसदी)- 87,900 रुपये

मानक कटौती- 75,000 रुपये

टैक्स योग्य आय (कटौतियों के बाद)- 11,99,550 लाख रुपये

इन कटौतियों के साथ आपकी कर योग्य आय 12 लाख रुपये से कम हो जाती है, जिससे आप नई प्रणाली के तहत शून्य कर के लिए पात्र हो जाते हैं. हालांकि इसका लाभ उठाने के लिए, कर्मचारियों को अपने वेतन ढांचे में एनपीएस और ईपीएफ अंशदान को शामिल करना होगा.

स्लैब में भी बदलाव

नए टैक्स स्लैब के तहत अगर आय 12 लाख रुपये से ज्यादा है तो उस व्यक्ति को चार लाख रुपये तक की शुरुआती आय पर छूट मिलेगी. चार से आठ लाख रुपये तक की आय पर पांच फीसदी, आठ से 12 लाख रुपये पर 10 फीसदी, 12 से 16 लाख रुपये पर 15 फीसदी, 16 से 20 लाख रुपये तक की आय पर 20 फीसदी, 20 से 24 लाख रुपये पर 25 फीसदी और 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 फीसदी आयकर लगाया जाएगा।

बर्मन परिवार ने रेलिगेयर में हासिल किया कंट्रोल...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) के शेयरों में शुरुआती कारोबार में 8.5 फीसदी की तेजी आई, जो बीएसई पर 242 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई. यह बात बर्मन परिवार द्वारा ओपन ऑफर के सफलतापूर्वक पूरा होने के माध्यम से कंपनी में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी हासिल करने के बाद सामने आई. परिवार की वर्तमान शेयरधारिता अब 83,201,819 इक्विटी शेयर या कुल शेयरों का 25.16 फीसदी है.

एक्सचेंज के साथ फाइलिंग में यह खुलासा हुआ कि ओपन ऑफर के पूरा होने के बाद, सेबी (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के तहत, बर्मन परिवार ने 231,025 इक्विटी शेयर हासिल किए, जो रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की कुल चुकता शेयर पूंजी का 0.07 फीसदी है. इसके अलावा ओपन ऑफर के हिस्से के रूप में परिवार ने पहले 31 जनवरी, 2024 को 13,200,000 इक्विटी शेयर हासिल किए थे, जो चुकता पूंजी का 3.99 फीसदी था. इन शेयरों को 18 फरवरी, 2025 को एस्क्रो डीमैट खाते से बर्मन परिवार के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया था.

बर्मन परिवार ने सार्वजनिक शेयरधारकों से 9 करोड़ इक्विटी शेयर या रेलिगेयर के 26 फीसदी शेयर खरीदने के लिए खुली पेशकश की थी. यह अधिग्रहण परिवार के स्वामित्व वाली संस्थाओं के माध्यम से किया गया था, जिसमें एमबी फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड (एमएफपीएल), पूरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड (पीएपीएल), वीआईसी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (वीआईसी) और मिल्की इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी (एमआईटीसी) शामिल हैं।

फिर रेड जोन में खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 77 अंक टूटा, निफ्टी 22,890 पर

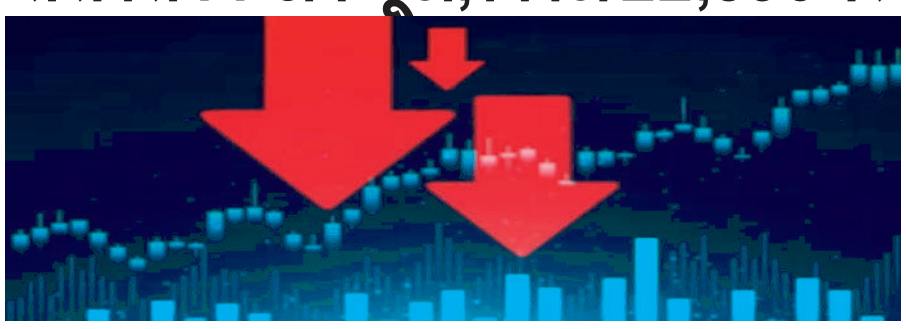

मुंबई: कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार लाल निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 77 अंकों की गिरावट के साथ 75,658.65 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 22,890.25 पर खुला.

क्षेत्रीय सूचकांकों में, निफ्टी मेटल ने बढ़त हासिल की, जो 1.2 फीसदी बढ़ा, उसके बाद निफ्टी मीडिया और निफ्टी रियल्टी ने क्रमश- 1 फीसदी और 0.7 फीसदी की बढ़त हासिल की. गिरावट वाले पक्ष में, निफ्टी हेल्थकेयर सबसे अधिक 0.7 फीसदी नीचे रहा, उसके बाद निफ्टी ऑटो और एफएमसीजी ने क्रमश- 0.65 फीसदी और 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की. निफ्टी बैंक और निफ्टी आईटी में भी 0.3 फीसदी की गिरावट आई.

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मामूली रूप से मजबूत हुआ. रुपया 86.55 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव 86.67 प्रति डॉलर से 0.11 फीसदी अधिक है.

गुरुवार का बाजार

कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 203 अंकों की गिरावट के साथ 75,735.96 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 22,910.40 पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, एनटीपीसी, अडाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा कंज्यूमर के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की तेजी रही. सेक्टोरल फ्रंट पर ऑटो, मेटल, ऑयल एंड गैस, पावर, रियल्टी, पीएसयू बैंक में 1-1 फीसदी की तेजी रही, जबकि बैंक और आईटी में 0.5-0.5 फीसदी की गिरावट रही।

होली से पहले करोड़ों कर्मियों को डीए बढ़ोत्तरी पर मिलेगी बड़ी खुशखबरी, इतनी बढ़ेगी सैलरी

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में संशोधन की घोषणा अगले महीने होने वाली है.

नई दिल्ली: केंद्र सरकार हर साल दो बार केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की दरों में संशोधन करती है, जो अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के छमाही आंकड़ों पर निर्भर करती है. यह बढ़ोतरी हर साल जनवरी/जुलाई से की जाती है. इसकी घोषणा मार्च और अक्टूबर के आसपास की जाती है.

फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को 53 फीसदी की दर से महंगाई भत्ते और राहत का लाभ मिल रहा है. अब अगली बढ़ोतरी होनी है, जिसकी दर श्रम मंत्रालय द्वारा जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के आंकड़ों पर निर्भर करेगी. उम्मीद है कि DA में फिर से 3 फीसदी की बढ़ोतरी की जा सकती है, जिसका ऐलान होली से पहले होने वाली कैबिनेट में कभी भी किया जा सकता है.

मार्च में DA बढ़ोतरी तय!

जुलाई से नवंबर तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो AICPI इंडेक्स 144.5 और DA स्कोर 55.05 फीसदी पर पहुंच गया है, ऐसे में DA में 3 फीसदी बढ़ोतरी तय है. हालांकि दिसंबर 2024 का डेटा आना अभी बाकी है. इसके बाद फाइनल होगा कि जनवरी 2025 से कितने फीसदी DA बढ़ेगा. चूंकि नई दरें जनवरी 2025 से लागू होंगी, इसलिए 2 महीने यानी जनवरी फरवरी का एरियर भी मिलेगा. यह बढ़ोतरी 7वें वेतन आयोग के तहत की जाएगी. इससे 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा.

DA बढ़ोतरी पर कितनी बढ़ेगी सैलरी ?

डीए% = [(पिछले 12 महीनों के लिए एआईसीपीआई (आधार वर्ष 2001 = 100) का औसत - 115.76)/115.76] x 100

सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए डीए की गणना इस तरह की जाती है- डीए% = [(पिछले 3 महीनों के लिए एआईसीपीआई (आधार वर्ष 2001 = 100) का औसत - 126.33)/126.33] x 100

उदाहरण के लिए, जिन कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये है, उन्हें 3 फीसदी की डीए बढ़ोतरी पर 540 रुपये की वृद्धि मिलेगी और अधिकतम 2,50,000 रुपये वेतन पाने वालों को 7,500 रुपये की वृद्धि मिलेगी.

अगर किसी कर्मचारी को 15,000 रुपये प्रति महीने DA मिल रहा है तो यह बढ़कर 15,450 रुपये हो जाएगा. यानी उन्हें हर महीने 450 रुपये ज्यादा मिलेंगे. इसका फायदा पेंशनर्स को भी होगा, जिनकी पेंशन 270 रुपये बढ़कर 3,750 रुपये हो सकती है.

मार्च से बदल रहा पॉलिसी पेमेंट का तरीका, IPO की तरह कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली: कई लोगों को अपने बीमा प्रीमियम का भुगतान करना बहुत मुश्किल लगता है. ऐसे में भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने इस समस्या का समाधान खोज लिया है. दरअसल, IRDAI ने स्वास्थ्य या जीवन बीमा प्रीमियम के भुगतान की व्यवस्था को सरल बनाने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू की है. बीमा प्रीमियम के भुगतान की यह नई व्यवस्था Insurance-ASBA है. इसकी मदद से लोगों को अपने बीमा प्रीमियम का भुगतान करने में आसानी होगी.

IRDAI ने कहा कि नई व्यवस्था पॉलिसीधारकों को प्रीमियम भुगतान के लिए अपने बैंक खाते में धनराशि ब्लॉक करने की सुविधा देती है. इस नई व्यवस्था से सुविधा बढ़ेगी और भुगतान में देरी कम होगी. नई व्यवस्था 1 मार्च से लागू होगी.

इंश्योरेंस-एएसबीए क्या है ?

इंश्योरेंस-एएसबीए यानी इंश्योरेंस-एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट की नई व्यवस्था के तहत बीमा कंपनियों द्वारा पॉलिसी धारकों को बीमा प्रस्ताव स्वीकार किए जाने से पहले यूपीआई के माध्यम से उनके बैंक खातों में एक निश्चित राशि ब्लॉक करने की सुविधा दी जाती है. ग्राहक द्वारा स्वीकृति दिए जाने के बाद ही राशि डेबिट की जाएगी. वहीं, अगर स्वीकृति नहीं मिलती है, तो राशि अपने आप अनब्लॉक हो जाएगी.

वहीं, अगर बीमाकर्ता पॉलिसी को स्वीकार या अस्वीकार नहीं करता है, तो भी फंड पॉलिसीधारक के खाते में ही रहेगा. नई व्यवस्था के तहत पॉलिसी जारी होने के बाद ही पैसे कटते हैं. राशि के ब्लॉक रहने का अधिकतम समय 14 दिन है. इसके बाद स्वीकृति मिलने पर खाते से पैसे कट जाते हैं.

बीमा पॉलिसी के लिए आवेदन करते समय आपको बीमा-एएसबीए का विकल्प चुनना होगा. फॉर्म में आपको प्रीमियम राशि को ब्लॉक करने की स्वीकृति देने का विकल्प चुनना होगा. बीमा कंपनी आपके बैंक को आपके खाते में आवश्यक राशि ब्लॉक करने के लिए अनुरोध भेजेगी. इसके बाद ग्राहक की स्वीकृति के बाद ही खाते से राशि डेबिट की जाती है।

सोने की कीमतों में तेजी जारी, ट्रंप के बयान के बाद नया उछाल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : वैश्विक स्तर पर मजबूती के रुख के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 50 रुपये बढ़कर 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई. अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी. बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 50 रुपये बढ़कर 89,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बृहस्पतिवार को सोना नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति के बारे में खबरों के कारण सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बढ़ा है.''

राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने या उससे पहले टिंबर, वाहन, सेमीकंडक्टर और फार्मास्युटिकल्स पर शुल्क लगाएंगे. गांधी ने कहा, ''इस खबर ने बाजार में इस डर को और बढ़ा दिया है कि ट्रंप की नीति वैश्विक व्यापार युद्ध को बढ़ावा दे सकती है, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की कीमतों में उछाल आएगा.''

चांदी की कीमतें भी पिछले बंद भाव 99,600 रुपये प्रति किलोग्राम से 700 रुपये बढ़कर 1,00,300 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं. एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष-शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''एमसीएक्स में बढ़त के साथ सोने का कारोबार सकारात्मक रहा. कमजोर डॉलर इंडेक्स ने सोने की तेजी को और बढ़ावा दिया है, जबकि अमेरिका से चल रहा शुल्क समायोजन अनिश्चितता को बढ़ावा दे रहा है, जिससे सोने की मांग उच्च बनी हुई है.''

वैश्विक स्तर पर, अप्रैल डिलिवरी के लिए कॉमेक्स सोना वायदा 36.81 डॉलर बढ़कर 2,972.91 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया. विशेषज्ञों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन के साथ व्यापार समझौता संभव होने की बात कहने की खबरों के बीच सोना वायदा में तेजी आई.

इसके अलावा, फेडरल रिजर्व ने बुधवार को जनवरी की नीतिगत बैठक का ब्योरा जारी किया, जिसका विदेशी बाजारों में सर्राफा कीमतों पर थोड़ा असर पड़ा. हालांकि, विशेषज्ञों ने कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के कुछ सदस्यों ने स्थिर ब्याज दर और किसी भी कटौती के लिए जल्दबाजी न करने की वकालत की. एशियाई बाजार में कॉमेक्स चांदी वायदा 2.08 प्रतिशत बढ़कर 33.73 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

तो इस वजह से गिर रहा है रुपया.... आरबीआई की रिपोर्ट में हुआ खुलासा, जानिए दूसरे देशों की करेंसी की क्या है हाल

23 सितंबर 2024 से 18 फरवरी 2025 के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 83 .70 से घट कर 86 .98 पर आ गई है। हालांकि गुरुवार को आरबीआई की मुस्तैदी से डॉलर के मुकाबले रुपया एक कारोबारी दिन में 33 पैसे मजबूत हो कर 86 .65 के स्तर पर बंद हुआ। आरबीआई ने मासिक रिपोर्ट में तीन कारक बताए हैं जो रुपये की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

नईदिल्ली। गुरुवार को मुद्रा बाजार में आरबीआई की मुस्तैदी ने डॉलर के मुकाबले ना सिर्फ रुपये को थामा, बल्कि रुपया एक कारोबारी दिन में 33 पैसे मजबूत हो कर 86.65 के स्तर पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार को देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ऑटो, फार्मा व कुछ धातुओं के आयात पर 25 फीसद टैक्स लगाने की घोषणा के बाद दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने अपनी अपनी मुद्राओं को थामने में पूरी ताकत झोंक दी। इस वजह से रुपया भी मजबूत हुआ है, लेकिन यह भविष्य की गारंटी नहीं है।

रुपये की कीमतों को प्रभावित कर रहे ये कारक

एक दिन पहले जारी आरबीआई की मासिक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती, एफआईआई की निकासी और वैश्विक अस्थिरता तीन ऐसे कारक हैं, जो रुपये की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

जनवरी, 2025 में डॉलर के मुकाबले रुपया 1.5 फीसद कमजोर हुआ है। जापानी येन, ब्रिटिश पौंड, अर्जेंटीना पेसो, दक्षिण अफ्रीका की रेंड की गिरावट भारत से ज्यादा है, लेकिन चीन, थाइलैंड, ताइवान, फिलीपींस, मलयेशिया की मुद्राओं में गिरावट भारत से कम है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा असर

विशेषज्ञों का मानना है कि जिन देशों की इकोनॉमी अमेरिका के साथ ज्यादा मजबूती से जुड़ी है, वहां करेंसी पर थोड़ा कम असर हुआ है। यानी एशिया के जिन विकासशील देशों से भारतीय निर्यातकों का मुकाबला है, उनकी मुद्राएं भारतीय रुपये से बेहतर स्थिति में हैं। रुपये की यह गिरावट पिछले छह महीनों में बहुत ही तेज रही है और इसका असर विदेशी मुद्रा भंडार पर साफ दिख रहा है।

23 सितंबर, 2024 से 18 फरवरी, 2025 के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 83.70 से घट कर 86.98 पर आ गई है। इस दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार में 68 अरब डॉलर की कमी हो चुकी है। वैसे अभी यह 638.26 अरब डॉलर पर है जो देश के 10-11 महीनों के आयात बिल का भुगतान करने लायक है।

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा, 'अमेरिका में पिछले चुनाव के परिणाम के बाद दुनिया के अधिकांश मुद्राओं में डॉलर की तुलना में कमजोरी दिख रही है। लेकिन भारत में विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति बहुत अच्छी है जिसकी वजह से भारतीय रुपये में ज्यादा कमजोरी नहीं दिखी है।'

सरकार यह भी मानती है कि रुपये की कीमत में गिरावट से निर्यातकों को फायदा होगा। 05 फरवरी, 2025 को वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक प्रश्न के जवाब में बताया कि वर्ष 2022 से वैश्विक अस्थिरता के बढ़ने और अमेरिका की तरफ से ब्याज दरों के बढ़ाने के फैसले की वजह से रुपया कमजोर होना शुरू हुआ है। रुपया को बाजार की ताकतें तय करती हैं और इसके किसी स्तर का लक्ष्य सरकार तय नहीं करती है।

आईटी संगोष्ठी का आयोजन, आईटी विशेषज्ञों ने दिए उद्योग के नवीनतम रुझानों पर महत्वपूर्ण इनपुट

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। संगम यूनिवर्सिटी में आज आईटी संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें आईटी परिवार भीलवाड़ा के दिग्गज उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया और छात्रों को आईटी इंडस्ट्री के नवीनतम रुझानों की जानकारी दी।कार्यक्रम संयोजक डिप्टी डायरेक्टर ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट संगम यूनिवर्सिटी डॉ अनुराग शर्मा ने बताया के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल एवं डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस के संयुक्त सहयोग द्वारा आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम तीन प्रमुख भागों में विभाजित था एवं जिसका शुभारम्भ यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रो करुणेश सक्सेना के प्रेरक सत्र के साथ किया गया। आईटी परिवार सदस्य राजुल ने आईटी परिवार के उद्देश्यों एवं कार्यो के बारे में सभी को अवगत कराया। मुख्य वक्ता श्याम वर्मा द्वारा टेक्नोलॉजी ट्रेंड्स पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए, जिससे छात्रों को उद्योग की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं को समझने में सहायता मिली। टेक पैनल डिस्कशन सत्र में छात्रों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और उन्हें आईटी उद्योग में आगे बढ़ने के टिप्स दिए गए। टेक डिस्कशन के दौरान प्रो वाईस चांसलर संगम यूनिवर्सिटी प्रो मानस रंजन पाणिग्रही, महेंद्र सोनी, अंकुश सारस्वत, बिनोद तातेर, अर्पित लड्ढा, अमित मित्तल, प्रो विकास सोमानी एवं डॉ अनुराग शर्मा द्वारा प्रतिभागियों के प्रश्नो का उत्तर दिया गया एवं साथ ही अक्षय पगारिया द्वारा टेक क्विज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,क्लीन कोडिंग, बिजनेस एनालिस्ट प्रोफाइल, सिलिकॉन डिजाइन, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप पर समूह विशेष के साथ चर्चा की गई ।

संगोष्ठी में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट के 120 से अधिक छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विशेषज्ञों से गहन ज्ञान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आईटी उद्योग की नवीनतम जानकारियों से अवगत कराना और उनके करियर को नई दिशा देना था। संगम यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए टेक टू टेक्नोलॉजी, टेक्नोलॉजी ट्विस्ट, रेडी बाइट सॉफ्टवर्स, बिट्स टेक्निक कम्पनीज एवं सभी प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया ।कॅरियर परामर्श प्रदान किया गया। यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार प्रो राजीव मेहता द्वारा सभी का धन्यवाद् ज्ञापित किया गया एवं आईटी परिवार के साथ एमओयू किया गया। कार्यक्रम का सञ्चालन साक्षी पटवारी एवं पल्लवी पुरोहित के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ राजेंद्र कछावा, डॉ मनोज कुमावत, डा राजकुमार जैन,निर्मल सिंह, ऋचा शर्मा, स्नेहलता अजमेरा, अतुल पराशर, चिराग सुवालका का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

दुर्घटना के बाद पिकअप चालक साइकिल सवार की कटे हाथ लेकर भाग गया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : एक ऐसी दुर्घटना है जिसे दृश्य रूप में दिखाना असंभव है। स्थानीय लोग इस हृदय विदारक दुर्घटना को देखकर स्तब्ध रह गए। दुर्घटना के बाद पिकअप वैन कटे हाथ ले गई। इसे देखकर हर कोई भयभीत है। लेकिन सबसे बुरी बात यह है कि ड्राइवर ने ही दुर्घटना की और किसी के शरीर से उसका हाथ काट दिया, लेकिन उसे इस बारे में कुछ भी पता नहीं चला ।जी हां, एक और भयानक सड़क दुर्घटना घटी है। वह दुर्घटना जिसमें वृद्ध व्यक्ति का हाथ उसके शरीर से अलग हो गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना बालासोर जिले के रायबनिया थाना क्षेत्र में घटी। वृद्ध व्यक्ति सड़क पर चल रहा था, तभी एक पिकअप वैन ने उसे टक्कर मार दी और उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसका हाथ कट गया।

जब कटे हुए हाथ के साथ पिकअप वैन के चालक ने दुर्घटना की और वाहन को टक्कर मार दी, तो स्थानीय लोग पिकअप के शरीर से लटकते कटे हुए हाथ को देखकर हैरान रह गए। रायबनिया थाना अंतर्गत पत्थरपानी में पिकअप ट्रक के दाहिने हिस्से में खून से सना हाथ लटका देख कुछ लोगों ने पिकअप ट्रक को रोक लिया, चालक को खूंटे से बांध दिया और रायबनिया पुलिस को सूचना दी। इस बीच, खबर मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच के लिए चालक को हिरासत में ले लिया ।जानकारी के अनुसार, जालेश्वर थाना अंतर्गत गुरदासपुर गांव के पूर्णचंद्र मोहंती काम के बाद लक्ष्मणनाथ बाजार से घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार पिकअप वैन ने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनका हाथ फट गया और वे बुरी तरह घायल हो गए। गुरदासपुर पुल के पास बेहोश पड़े बुजुर्ग पूर्ण चंद्र मोहंती को स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में बचाया और जलाश्वर अस्पताल ले गए। लेकिन वहां हालात बिगड़ने के कारण उन्हें बालासोर स्थानांतरित कर दिया गया है। बताया गया है कि कटे हुए हाथ को बाद में जब्त कर लिया गया और उसे चिकित्सा केन्द्र भेज दिया गया।

कवि,भावनाओं के मधुर साधक ।

वास्तव में भावों का और विचारों का प्रतिपादन कौशल ही कवि की अभिव्यंजना शक्ति का परिचायक बन कर उसे शब्द शिल्पी बना देता है,

अपने मानस को निरंतर तराशकर

सामर्थ सृजक के रुप में स्वयं को साहित्य जगत में प्रतिष्ठित करके आगे बढ़ता हुआ नज़र आने वाले आज के सभी साहित्यकार बंधु धन्यवाद के सच्चे हक़दार है ।जिनकी कलम से साहित्य जगत आज भी रौशन हैं।

भावनाओं के मधुर साधक साहित्य को विशिष्ट पहचान दिलाने वाले, जीवन साधना में संसार के अनुभवों की प्रतिक्रियाओं को भाषा के माध्यम से यानी कविता ग़ज़ल और नज़्म के मध्यम से अभिव्यक्ति देकर साहित्य को प्रेरणा प्रदान करने वाले,सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत साहित्यिक गतिविधियों

के प्रेरक बहुमुखी प्रतिभा के धनी, आप सभी कवि साहित्य कार व्यक्तित्व को नमन। वेदना,करुणा,तथा प्रेम दर्शन की अभिव्यक्ति करते हुए, साहित्यकार, कविगण एक उच्चतम भावभुमि पर पहुंच कर

एक सशक्त हस्ताक्षर बन कर स्वयं को उभारते हैं,

कवियों का सरल सहज़ स्वभाव हम सबको उनके अपना होने का विश्वास दिलाता है,

जिनकी रचनाएं हमें संसार की सैर कराती है। कवियों कीरचनाओं का प्रकाशन में आना वाक़ई गौरव का विषय है,और अविस्मर्णीय भी। जो हमें भी कहीं न कहीं लाभान्वित जरूर करती हैं। समाज को कवि सजग बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नज़र आते हैं,

धन्यवाद समस्त कविगणों का आभार कविता दिवस पर। लिखते रहें,खुश रहें, संपन्न रहें स्वस्थ रहें। इसी आशाओं के साथ आपका साथी।

डॉ. मुश्ताक़अहमद शाह सहज
हरदा मध्यप्रदेश,

[प्रसंगवश - 22 फरवरी: कस्तूरबा गांधी 'बा' की पुण्यतिथि]

'बा' की पुण्यतिथि: गांधी संग बलिदान की अमर स्वर्ण-ज्योति

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की अमर गाथा एक ऐसी तेजस्वी महागाथा है, जिसमें असंख्य शूरवीरों और वीरांगनाओं ने अपने प्राणों की बलिवेदी पर आहुति चढ़ाई। किंतु, कुछ ऐसी महान आत्माएं उभरीं, जिनका बलिदान और समर्पण किसी एक घटना या आंदोलन की परिधि में बंधकर नहीं रहा। ऐसी ही एक अनुपम, अलौकिक विभूति थीं कस्तूरबा गांधी, जिन्हें संपूर्ण भारत 'बा' कहकर श्रद्धा और प्रेम से संबोधित करता है। उनकी पुण्यतिथि (२२ फरवरी) पर राष्ट्र उनके तपस्वी त्याग, अडिग संकल्प और अमर बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता है। वे केवल महात्मा गांधी की जीवनसंगिनी ही नहीं थीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की एक अद्वितीय, प्रचंड क्रांतिकारी शक्ति भी थीं। उनका जीवन त्याग, निर्भीकता और अनवरत संकल्प का ऐसा ओजस्वी महाकाव्य है, जो प्रत्येक भारतीय के हृदय में प्रेरणा का अखंड दीप प्रज्ज्वलित करता है। सामाजिक कुप्रथाओं के विरुद्ध उनकी अदम्य संग्रामशीलता और नारी शक्ति को स्वावलंबी बनाने का उनका अथक संकल्प उन्हें एक सच्ची योद्धा के रूप में प्रतिष्ठित करता है।

11 अप्रैल 1869 को गुजरात के पोरबंदर में अवतरित कस्तूरबा का बाल्यकाल एक परंपरागत परिवार की शीतल छांव में बीता। औपचारिक शिक्षा का प्रकाश उन तक न पहुंच सका, परंतु उनके संस्कारों की गहनता और जीवन की कठोर तपस्या ने उन्हें एक अडिग, तेजस्वी व्यक्तित्व का स्वामित्व प्रदान किया। मात्र 13 वसंतों की कोमल आयु में उनका विवाह मोहनदास करमचंद गांधी से संपन्न हुआ। यह विवाह केवल पारिवारिक बंधन का सूत्र नहीं था, अपितु दो प्रबल आत्माओं का ऐसा संगम था, जिसने भारत के इतिहास में अमिट स्वर्णाक्षर अंकित किए। विवाह के प्रारंभिक क्षण सौम्य और साधारण थे, किंतु जैसे-जैसे गांधीजी के जीवन का परम ध्येय प्रकाशमान हुआ, कस्तूरबा भी उनके पथ पर एक अविचल सहचरी बनकर चल पड़ीं। प्रत्येक संकट में उन्होंने अपने अदम्य साहस और असीम धैर्य का परिचय दिया, और संघर्ष की प्रचंड अग्नि में स्वयं को खरे स्वर्ण-सा परिष्कृत कर दिखाया।

जब दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी ने भारतीयों के अधिकारों के लिए सत्याग्रह का शंखनाद किया, तब कस्तूरबा इस महासंग्राम की अटल शक्ति-स्तंभ बनकर प्रखर हुईं। रंगभेद और अत्याचार के विरुद्ध उनकी तेजस्वी हुंकार आकाश को चीरती गूंजी। वे न केवल इस आंदोलन में सहभागी बनीं, बल्कि बारंबार कारागार की सलाखों के पीछे भी निर्भीकता से कदम रखा। नारी शक्ति को अन्याय के सामने अडिग खड़े होने और अपने अधिकारों के लिए प्रचंड संग्राम करने की प्रबल प्रेरणा प्रदान की। उनका ओजपूर्ण स्वभाव और सिद्धांतों पर अविचल निष्ठा दक्षिण अफ्रीका के संघर्ष में एक प्रदीप्त प्रकाश-पुंज बनकर दमक उठा। कारागार की अमानुषिक यातनाएं भी उनके संकल्प को विचलित न कर सकीं, और वे अपने प्रण पर अटूट रहीं।

भारत की पावन धरती पर लौटते ही कस्तूरबा ने स्वतंत्रता संग्राम में अपनी भागीदारी को और भी प्रखर कर दिया। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने नारियों को विदेशी वस्तुओं का परित्याग कर स्वदेशी को अंगीकार करने का ओजस्वी आह्वान किया। गली-गली, गांव-गांव घूमकर उन्होंने नारी शक्ति को एकजुट किया, खादी को जीवन का प्राण-तत्व बनाने की प्रेरणा प्रदान की, और स्वच्छता व शिक्षा के अमर मूल्यों का दीप प्रज्ज्वलित किया। उनका अडिग विश्वास था कि भारत की सच्ची स्वाधीनता तब तक अधूरी रहेगी, जब तक देश की आधी प्राण-शक्ति—महिलाएं—इस संग्राम में कंधे से कंधा मिलाकर न चलें। उन्होंने यह सप्रमाण स्थापित किया कि स्वतंत्रता का यह महायज्ञ केवल पुरुषों का एकमात्र कर्तव्य नहीं, बल्कि नारी शक्ति का भी उतना ही प्रबल और अनुपम योगदान है।

1930 का दांडी मार्च और सविनय अवज्ञा आंदोलन कस्तूरबा के साहस और नेतृत्व का स्वर्णिम अध्याय बना। उन्होंने नारी शक्ति को इस महायज्ञ का प्राण बनाया, उन्हें ब्रिटिश शासन की क्रूर ज्यादतियों के विरुद्ध एक अटूट संगठित किया। ब्रिटिश दमन की क्रूरता भी उनके अदम्य हौसले को भंग न कर सकी। अहिंसा के पावन पथ को उन्होंने न केवल अंगीकार किया, बल्कि इसे अपने जीवन का प्रदीप्त तप बना लिया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में, जब गांधीजी को बंधक बना लिया गया, तब कस्तूरबा ने संग्राम की प्रबल कमान थामी। कारागार की ऊंची दीवारों के भीतर भी उनका संकल्प अविचल रहा, और उन्होंने हार को कभी स्वीकार नहीं किया।

कस्तूरबा का योगदान केवल राजनीतिक क्षितिज तक सीमित न रहा। सामाजिक सुधारों की प्रज्वलित मशाल थामे वे छुआछूत, जातिवाद और बाल विवाह जैसी घोर कुप्रथाओं के विरुद्ध अडिग रहीं। हरिजनों के कल्याण और नारी शिक्षा के लिए उनका समर्पण एक अनुपम तपोमयी अग्नि बनकर दमक उठा। उनका अटल विश्वास था कि समाज का सच्चा उद्धार तब तक असंभव है, जब तक नारी शक्ति जागृत, और प्रबल न हो। घर की चारदीवारी को लांघकर अपनी ओजस्वी हुंकार को आकाश तक गूंजाने और समाज के नवनिर्माण में प्रचंड योगदान देने की प्रेरणा उन्होंने नारियों के हृदय में प्रदीप्त की। उनका जीवन एक ऐसा प्रखर दर्पण ठहरा, जो नारी शक्ति की असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर तेजस्वी किरणों से उजागर करता है। उनका जीवन एक ऐसी अनुपम गाथा था, जो त्याग, तपस्या और अनवरत समर्पण की जीवंत मिसाल बनकर उभरी। उनकी आत्मा में स्वतंत्रता की ज्वाला इस कदर प्रज्वलित थी कि कारागार की कठोर अग्निपरीक्षा भी उसे बुझा न सकी। वहाँ की निर्मम यातनाओं ने उनके शरीर को क्षीण किया, किंतु उनकी इच्छाशक्ति का प्रकाश और आत्मा का तेज कभी मंद न पड़ा। वह एक योद्धा थी, जिसने शारीरिक बंधनों को तोड़ा नहीं, बल्कि अपनी अडिग संकल्पशक्ति से उन्हें तुच्छ सिद्ध कर दिया। पुणे के आगाखान महल में, जहाँ चारदीवारी और बेड़ियाँ उन्हें कैद करने का दंभ भरती थीं, उन्होंने अंतिम दिनों तक अपने आदर्शों को जीवित रखा। २१ फरवरी 1944 को, जब उन्होंने अंतिम प्राण-श्वास त्यागा, तो वह क्षण मात्र एक देह का अंत नहीं था। वह स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रचंड युग का अवसान था, एक ऐसी महाशक्ति का प्रस्थान था, जिसने अपने जीवन से असंख्य दिलों में साहस और बलिदान की चिंगारी प्रज्वलित की। राष्ट्र उनके समक्ष नतमस्तक हुआ। अश्रु-नम नेत्रों से उन्हें विदाई दी गई, किंतु वह विदाई केवल शारीरिक थी। उनका संघर्ष, उनका बलिदान और उनकी अटूट भावना समय की सीमाओं को लाँघकर अमरत्व को प्राप्त हुई।

कस्तूरबा गांधी का जीवन हमें यह ओजस्वी संदेश देता है कि अटल संकल्प, अनंत धैर्य और सत्यनिष्ठा से कोई भी लक्ष्य दुर्लभ नहीं। उन्होंने नारी शक्ति को एक नवीन, प्रदीप्त आयाम प्रदान किया और यह अविचल सत्य स्थापित किया कि स्वतंत्रता संग्राम में नारियां भी पुरुषों के समान सशक्त और प्रभावशाली हैं। आज भी उनके तेजस्वी आदर्श हमारे हृदय में प्रेरणा का प्रखर दीप जलाते हैं—कि हम अन्याय के समक्ष निर्भीकता से खड़े हों, सत्य और अहिंसा के पावन मार्ग पर अडिग रहें, और अपने कर्तव्यों को असीम तपस्या के साथ संपूर्ण करें। वे केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं थीं, अपितु भारतीय संस्कृति और नैतिकता की प्रदीप्त प्रतिमा थीं, जिनका ओजस्वी प्रकाश युग-युगांतर तक हमारे पथ को आलोकित करता रहेगा। वह आज भी हमारे बीच जीवित हैं—हर उस स्वर में जो स्वतंत्रता की बात करता है, हर उस कदम में जो अन्याय के विरुद्ध उठता है। उनकी पुण्यतिथि एक शोक-दिवस नहीं, अपितु उनके अदम्य साहस और त्याग को स्मरण करने का पावन अवसर है। वे थी, हैं और सदा रहेंगी—हमारी प्रेरणा-स्रोत, हमारे स्वाभिमान की प्रतीक। उनकी पुण्यतिथि पर हम कृतज्ञ हृदय से उन्हें नमन करते हैं, जिनका त्याग, साहस और सेवा सदा प्रेरणादायक रहेगी। हे 'बा', आपकी पवित्र स्मृति के समक्ष कोटि-कोटि प्रणाम—आपके बलिदान ने इस राष्ट्र के आकाश में एक अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की, जो अनंत काल तक हमें प्रेरित करती रहेगी।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

आशीर्वचन या आत्म-प्रवंचना: क्या है 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का सच?

हमारे जीवन का सबसे बड़ा रहस्य और गहरा विरोधाभास यह है कि हम हर सत्य को जानते हैं, उसे समझते हैं, फिर भी उसे अपनाने से हिचकते हैं। यह मानव स्वभाव की वह विचित्रता है, जो हमें आत्ममंथन की ओर ले जाती है। हम यह भली-भाँति पहचानते हैं कि प्रकाश के साथ अंधेरा और जीवन के साथ मृत्यु का चोली-दामन का साथ है। सुख की अनुभूति तभी संपूर्ण होती है, जब हमने दुख की आँच को झेला हो। लेकिन जब शुभकामनाओं का मौका आता है, तो हमारे मुँह से एक ही वाक्य निकलता है—"सदा सुखी रहो!" यह शब्द हमारे होंठों पर ऐसे जम गए हैं, जैसे कोई स्वचालित जाप, जिसे हम बिना सोचे दोहराते हैं।

क्या यह महज औपचारिकता है? क्या यह हमारी संस्कृति और संस्कारों का हिस्सा बन चुका है, या फिर यह हमारी मानसिक कमजोरी और कायरता का प्रतीक है? हम यह क्यों नहीं कहते कि "जीवन की हर चुनौती से लड़ने की शक्ति मिले"? शायद इसलिए कि यह सुनने में उतना मधुर नहीं। हमें मीठे शब्दों की आदत पड़ गई है—कड़वा सच न कहना चाहते हैं, न सुनना। यह विडंबना हमारे जीवन की पहचान बन गई है: हम जानते हैं कि दुख के बिना सुख फीका है, फिर भी एक ऐसी दुनिया की कल्पना करते हैं, जहाँ केवल सुख हो—बिना कांटों, बिना ठोकरों के।

यह कितना असंगत और स्वप्निल विचार है! क्या कोई नदी यह माँग सकती है कि उसका प्रवाह कभी चट्टानों से न टकराए? क्या सूरज यह चाह सकता है कि उसकी किरणों को कभी बादल न ढँकें? जीवन की प्रकृति भी ऐसी ही है—बाधाएँ, संघर्ष और दुख इसके मूल तत्व हैं, जैसे सिक्के के दो पहलू। जो कहता है कि उसने दुख को कभी छुआ नहीं, वह या तो सच को छिपा रहा है, या जीवन की गहराई से कोसों दूर है। सुख तब तक बेस्वाद है, जब तक वह दुख की छाया से रंग न ले। यदि हर कदम पर सब कुछ सहज होता, तो जीवन का वह अनमोल सौंदर्य कहाँ उभरता? संघर्ष वह अग्नि है, जो हमारे भीतर की अशुद्धियों को जलाकर हमें निखारती है।

हमारी संस्कृति में "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की गूँज है—सब सुखी हों, सबका भला हो। यह एक आदर्श भावना है। लेकिन क्या यह सचमुच संभव है? यदि ऐसा होता, तो दुनिया में इतना दर्द, इतनी असमानता क्यों होती? शायद यह मंत्र भी हमारे लिए एक मानसिक तसल्ली का जरिया बन गया है—एक ऐसा भ्रम, जिसे दोहराकर हम खुद को सब ठीक होने का आश्वासन देते हैं। "सदा सुखी रहो" एक मधुर झूठ है, जिसे हमने सच मान लिया। हम जानते हैं कि यह असंभव है, फिर भी इसे कहने से खुद को रोक नहीं पाते। यह हमारी चेतना का वह अंतर्द्वंद्व है, जहाँ सत्य को पहचानते हुए भी हम उसे गले लगाने से कतराते हैं।

हम यह क्यों नहीं कहते कि "हर तूफान को झेलने का हौसला मिले"? या "तुम्हारा मन इतना मजबूत हो कि कोई आँधी उसे डिगा न सके"? इसलिए नहीं, क्योंकि इन शब्दों में वह मिठास नहीं जो "सदा सुखी रहो" में बसती है। हमें सुनहरे भ्रम की चाहत है। हम अपने शब्दों से एक काल्पनिक संसार बुनते हैं, जहाँ सब सुखद है। लेकिन यह आत्म-प्रवंचना से अधिक कुछ नहीं। सच तो यह है

कि जीवन की राह कांटों से भरी है, और जो उन्हें अनदेखा करता है, वह वास्तविकता से मुँह फेरता है।

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि हम अपने ही बुने भ्रमजाल में इतने उलझ गए कि सच को भूल बैठे। हम अपने बच्चों से कहते हैं—"हमेशा खुश रहो!" लेकिन यह नहीं बताते कि अगर कभी दुख आए, तो उसे कैसे झेलना है। हम उन्हें इतना कोमल बना देते हैं कि हल्की-सी ठेस भी उन्हें चूर कर देती है। यह "सदा सुखी रहो" की लत हमें कमजोर बना रही है। हम चुनौतियों से भागने के रास्ते खोजते हैं, यह मानकर कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन यह खुद को छलने का तरीका है।

यदि हमें सच्ची शुभकामना देनी है, तो हमें अपने शब्दों में बदलाव लाना होगा। हमें मिठास के साथ साहस का रंग घोलना होगा। हमें कहना चाहिए—"सुख-दुख दोनों आएँ, पर तुम अटल रहो!" या "हर कठिनाई तुम्हें और सशक्त बनाए, तुम्हारा विश्वास कभी न डगमगाए!" ये शुभकामनाएँ इसलिए सच्ची हैं, क्योंकि ये जीवन की हकीकत को स्वीकार करती हैं। किसी को यह कहना कि "तुम्हें कभी दुख न हो" उतना ही व्यर्थ है, जितना सूरज से कहना कि "तुम कभी डूबो मत।"

जीवन की धूप और छाँव को अपनाना ही सच्ची समझदारी है। जो यह जान लेता है कि सुख और दुख दोनों अनिवार्य हैं, वही जीवन को उसकी पूर्णता में जी सकता है। उसे सुख की अतृप्त तलाश में भटकना नहीं पड़ता, क्योंकि वह समझ जाता है कि सुख दुख की गोद में ही खिलता है। सुख और दुख एक ही ताने-बाने के धागे हैं—एक के बिना दूसरा अधूरा है। जो इस शाश्वत सत्य को आत्मसात कर लेता है, वही जीवन की असली समृद्धि को पा सकता है।

जब आप अगली बार किसी को आशीर्वाद देने के लिए अपने शब्दों का अमृत उठाएं, तो क्षण भर को ठिठक जाएं और गहराई से सोचें—क्या आप उसे मधुर मिथ्या की क्षणभंगुर माला पहनाना चाहते हैं, या जीवन के कठोर पर अनमोल सत्य का आलोक दिखाना चाहते हैं? सच्चा आशीर्वचन वह नहीं जो केवल होंठों पर मुस्कान बिखेरे, बल्कि वह है जो हृदय को हिम्मत और आत्मा को अडिगता से भर दे। वह जो उसे स्वप्नों के झूठे पर्दे में न बांधे, बल्कि साहस और विवेक की ज्योति से सजग रखे। क्योंकि जीवन का सर्वोच्च सौंदर्य उसकी निखालिस परिपूर्णता में समाया है—उसके सुख के सुनहरे पलों में, उसके दुख के सघन सायों में, और इन दोनों को गले लगाने की उस असीम सामर्थ्य में, जो मनुष्य को साधारण से असाधारण बनाती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी (मप्र)

नेकी का तमाशा: कैमरे की चकाचौंध में बिकता पुण्य

"नेकी कर, दरिया में डाल"—यह पुराना जुमला अब कब्रिस्तान में सड़ रहा है, ऊपर से धूल और मिट्टी का बोझ ढोता हुआ। आज के चमचमाते डिजिटल युग में नेकी कोई खामोश इबादत नहीं रही, बल्कि कैमरे की बेशर्म रोशनी में नंगे पांव नाचने वाला तमाशा बन गई है। भूखे को दो सूखी रोटियां थमाईं, गरीब के कांपते जिस्म पर फटा-पुराना कंबल डाला—क्या बात यहीं थम गई? नहीं जनाब! जब तक उस नेकी का ढोल सोशल मीडिया के बाजार में न गूंजे, जब तक फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर लाइक्स की बरसात और तारीफों का तांडव न मचे, तब तक वो नेकी बेस्वाद, बेरंग और बेमानी ठहरती है। अब नेकी कोई गहरा राज़ या पवित्र खजाना नहीं, बल्कि सड़कछाप दुकान का माल है—जितना चटक रंग चढ़ाओ, जितना जोर से चिल्लाओ, उतना मुनाफा बटोरो।

ज़माना डिजिटल का है, तो भलाई भी डिजिटल सर्कस की गुलाम बनकर रह गई है। कभी लोग चुपके से दान करते थे, आंखों से ओझल, दिल से दिल तक। अब? अब तो "लाइव दान" का धंधा जोरों पर है। सड़क पर भूखा दिखा, तो पहले कैमरे का लेंस सेट करो, बनावटी मुस्कान चिपकाओ, फिर फोटो खींचो। तस्वीर सोशल मीडिया पर ठेली जाती है, और साथ में जुमला गड़ता है—"इस गरीब की मदद से आत्मा को सुकून मिला, आप भी पुण्य कमाएं!" गरीब का पेट भरा या भूख से बिलबिलाता रहा, वो गौण है। मगर पोस्ट पर कमेंट्स की लंबी फेहरिस्त और "ग्रेट वर्क" की माला ज़रूर टंग जाती है। नेकी अब सेवा का जज़्बा नहीं, सेल्फी का सस्ता खेल बनकर रह गई है।

यह नौटंकी इतनी गहरी जड़ें जमा चुकी है कि हर नेक काम के पीछे एक "फोटोग्राफर" साये की तरह लटकता है। अनाथालय में कदम रखा, तो पहले स्टेज सजाओ, बच्चों को लाइन में खड़ा करो, सेल्फी ठोंको। किसी मज़लूम की मदद की, तो पहले उसकी आंसुओं भरी तस्वीर कैद करो, फिर दो-चार भारी-भरकम डायलॉग उछालो—"नेकी कर, दुनिया को दिखा!" अब भलाई का मकसद किसी का दर्द बांटना नहीं, बल्कि अपनी शोहरत का परचम फहराना है। असली मदद तो महज एक बहाना है, असली मंज़िल है लाइक्स का ढेर और शेयरों का शोरगुल।

जब बड़े-बड़े साहब, नेता, सितारे और धनकुबेर नेकी के मंच पर कूदते हैं, तो हंसी भी छूटती है और गुस्सा भी आता है। गरीब के सिर पर हाथ फेरते हैं, कंबल ओढ़ाते हैं, मगर आंखें कैमरे की चमक से चिपकी रहती हैं। चेहरा दया का नहीं, पोज़ का सौदा करता नज़र आता है। फोटोशूट खत्म, कंबल वापस खींच लिया—अगले गरीब का इंतज़ार शुरू! अगर इस नाटक में किसी को सचमुच राहत मिल जाए, तो समझो आसमान से चांद टपक पड़ा।

राजनीति के रंगमंच पर यह खेल और भी शानदार ढंग से फलता-फूलता है। कोई नेता जनता के लिए योजना लाता है, तो टेलीप्रॉम्पटर पर शब्दों का जंगल उगाता है—"हम गरीबों के मसीहा हैं, हमारी रोशनी से अंधेरा मिटेगा!" योजना धरातल पर कब उतरेगी, उसका कोई अता-पता नहीं। मगर अखबारों और चैनलों में शोर इतना मचता है कि लगता है गरीबी रातोंरात उड़नछू हो गई। जनता के हाथ कुछ लगे न लगे, नेताजी की छवि को चमकाने का मिशन ज़रूर कामयाब हो जाता है। यहाँ नेकी महज घोषणा का लबादा ओढ़कर घूमती है—अमल की कौन परवाह करता है?

दानवीर बनने का नया फंडा भी गज़ब का है। चुपचाप किसी एनजीओ को पैसा देने की बजाय, मोटा चेक काटो, कैमरे के सामने लहराओ, फोटो खिंचवाओ और सोशल मीडिया पर धकेल दो—"समाज के लिए एक छोटी-सी भेंट, आशीर्वाद दीजिए!" चेक कितना बड़ा था, कितना सच था, कितना भुनाया गया—यह सब रहस्य की गठरी में दब जाता है। मगर तारीफों का पहाड़ खड़ा हो जाता है। पहले मंदिर-मस्जिद में चोरी-छिपे दान डाला जाता था, अब दान से पहले फ्लैश की बिजली कड़कनी ज़रूरी है। भलाई अब दिल की गहराई से नहीं, लेंस की चमक से तौली जाती है।

कई बार यह ढोंग इतना परवान चढ़ता है कि असली मज़लूम सड़कों पर भटकता रह जाता है, और कैमरे वाले उसकी परछाई पर ठुमके लगाते हैं। अनाथालय में खाना बंटता है, मगर प्लेट भरने से पहले फ्रेम सजाना ज़रूरी हो जाता है। तस्वीर व्हाट्सएप पर दौड़ती है, और अगले दिन तक हर शख्स उस "महान आत्मा" की वाहवाही करता है, जिसने ऐसा "अद्भुत" काम कर दिखाया। नेकी अब सेवा का पुण्य नहीं, सर्कस का तड़का बन गई है।

अब तो "फेसबुक लाइव" और "इंस्टा स्टोरी" ने इस खेल को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। कोई गरीब बच्चे को जूते देता है, तो पहले लाइव चालू करता है—"देखिए दोस्तों, इस अबोध की जिंदगी संवारने जा रहा हूँ!" जूते पहनाए, बच्चे का चेहरा कैमरे में ठूंसा, वीडियो अपलोड—बस, खेल खत्म। बच्चा खुश हुआ या भूखा मर रहा है, इससे क्या फर्क पड़ता है? कमेंट्स में बस एक ही शोर गूंजता है—"वाह, आप तो धरती के भगवान हैं!" नेकी का असली दाम अब व्यूज़ की गिनती और लाइक्स की भीड़ में नापा जाता है।

सवाल उठता है—क्या यही है नेकी का सच्चा स्वरूप? क्या पुण्य अब केवल अपनी चमक बढ़ाने का हथकंडा बनकर रह गया है? शायद हाँ, क्योंकि आज जो कैमरे की पैनी निगाहों में नहीं समाता, वह हुआ ही नहीं समझा जाता। चुपके से किसी का भला कर दिया, तो मानो वह नेकी व्यर्थ होकर धूल चाट गई। तो हे आज के "परोपकार के महारथियों", यदि सच्चे मन से भलाई का संकल्प हो, तो बस इतना स्मरण रखो—कैमरा चालू करो, कोण संभालो, तस्वीर खींचो, पोस्ट ठोको, और मौका मिले तो शान से अपनी जय-जयकार कर डालो। वरना बिना सोशल मीडिया के तमगे के यह भलाई आखिर किस काम की? सच तो यह है कि अब नेकी हृदय की गहराइयों से नहीं, बल्कि स्क्रीन की चकाचौंध से जन्म लेती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी (मप्र)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023